सुविचार

मनुष्य अपने जन्म से नहीं बल्कि अपने कर्म से महान बनता है।

दैनिक

रेवांचल टाइम्स

निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

Revanchal Times
7509202320
@revanchal_times
revanchaljabalpur@gmail.com
revanchaltimes_

वर्ष 3 | अंक 270 | जबलपुर, गुरुवार 24 सितम्बर 2026 | पृष्ठ 8 | मूल्य, 01 रुपये | RNI. Reg. No MPHIN/2023/90965

मेघालय में बड़ा सियासी उलटफेर, यूडीपी के 8 विधायक भाजपा में शामिल

नई दिल्ली। मेघालय की राजनीति में बुधवार को बड़ा सियासी बदलाव देखने को मिला। राज्य के आठ विधायक बुधवार को नई दिल्ली में पार्टी मुख्यालय में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू और बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा की मौजूदगी में इन विधायकों ने पार्टी की सदस्यता ली। सभी आठ विधायक पहले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी (यूडीपी) से जुड़े हुए थे। उनके बीजेपी में शामिल होने से मेघालय की सियासत में पार्टी की स्थिति मजबूत होने के संकेत मिले हैं। भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने वाले विधायकों में लखमेन रिम्बुई, पियस मारवेइन, किर्मेन श्यल्ला, मायरालबोर्न सिएम, मैथ्यू कुर्बाह, ओलन सिंह सुइन, बालाजीद कुपर सिनरेम और सिनशर लिंगदोह थबाह शामिल हैं। विधायकों के भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के मौके पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने इसे पूर्वोत्तर और देश की राजनीति के लिए अहम घटनाक्रम बताया। उन्होंने कहा कि मेघालय के लोकप्रिय और निर्वाचित विधायक अब बीजेपी परिवार का हिस्सा बन रहे हैं। रिजिजू ने सभी आठ विधायकों का पार्टी में स्वागत करते हुए कहा कि



उनका बीजेपी में आना पूर्वोत्तर की राजनीति में महत्वपूर्ण बदलाव है। रिजिजू के मुताबिक, इन विधायकों ने पिछले करीब 12 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर और मेघालय में हुए विकास और बदलाव को करीब से देखा है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के लोगों के साथ प्रधानमंत्री मोदी के जुड़ाव और इलाके में विकास की राजनीति पर बीजेपी के जोर का भी इन नेताओं पर असर पड़ा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इन विधायकों ने प्रधानमंत्री मोदी और बीजेपी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के कामकाज से प्रभावित होकर पार्टी में शामिल होने का फैसला किया है। आठ विधायकों के एक साथ बीजेपी में शामिल होने से मेघालय में पार्टी का राजनीतिक आधार बढ़ा है। अब इन नेताओं के बीजेपी में आने के बाद राज्य की आने वाली राजनीति और विधानसभा के समीकरणों पर भी इसका असर देखने को मिल सकता है। उत्तर प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। उससे पहले राज्यसभा की 10 सीटों के लिए 16 अक्टूबर को चुनाव होगा। इसके एक हफ्ते बाद 23 अक्टूबर को विधान परिषद की स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों की 11 सीटों के लिए भी मतदान होना है। इन चुनावों में राजनीतिक दलों के बीच सीटों का गणित और गठबंधन की ताकत देखने को मिलेगी।

सभी फैसले सर्वसम्मति से, एसआईआर पर मतभेद के आरोपों के बाद चुनाव आयोग की सफाई

नई दिल्ली। भारतीय निर्वाचन आयोग में फैसले लेने का अधिकार तीन अधिकारियों के पास है, जिनमें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी शामिल हैं। चुनाव आयोग के फैसलों में मतभेदों को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। वहीं एउकने इन सभी आरोपों का जवाब देते हुए बताया कि मतभेदों के बाद भी फैसला तब लिया जाता है, जब चुनाव आयुक्तों के बीच सर्वसम्मति होती है। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारियों ने आज बुधवार को बताया कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने वोटर लिस्ट को ठीक करने (क्लीनअप) के दौरान कई राज्यों में नाम हटाने समेत कई मुद्दों पर चिंता जताई थी, लेकिन पूरे देश में वोटर लिस्ट के 'स्पेशल इंटेंसिव रिविजन' (रक्फ़) से जुड़े फैसलों पर चुनाव आयोग एकमत था। अधिकारियों ने यह बात एक मीडिया रिपोर्ट के बाद कही, जिसमें दावा किया गया था कि रक्फ़के दौरान दो चुनाव आयुक्तों ने 10 महीनों में 14 बार चुनाव आयोग के कदमों पर आपत्ति जताई थी। सवालों का जवाब देते हुए अधिकारियों ने कहा कि दोनों आयुक्तों ने वोटर लिस्ट को ठीक करने के दौरान कई राज्यों में नाम हटाने और वोटर डेटाबेस को संभालने से जुड़े फैसलों पर चिंता जताई थी। चुनाव आयोग के कहा कि एसआईआर समेत चुनाव आयोग के सभी फैसले सर्वसम्मति से और दोनों चुनाव आयुक्तों तथा मुख्य चुनाव आयुक्त की मंजूरी से लिए गए हैं। अधिकारियों ने कहा कि चुनाव आयोग के कामकाज से जुड़े कानून और सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले में यह बात कही गई है कि जहां तक संभव हो, फैसले सर्वसम्मति से लिए जाने चाहिए और जरूरत पड़ने पर बहुमत की राय को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। रिपोर्ट में जानकारी दी गई कि चुनाव आयोग के अंदर दो चुनाव आयुक्तों की जानकारी के बिना उन मामलों पर फैसले लिए गए, जिन पर उन दोनों चुनाव आयुक्तों ने आपत्ति जताई थी। रिपोर्ट में बताया गया, जून 2025 में भारतीय चुनाव आयोग ने बिहार से रक्फ़की शुरूआत की। इसके बाद 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 13 करोड़ से ज्यादा नाम ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से बाहर हुए। इसी प्रक्रिया के दौरान नए वोटर्स के रजिस्ट्रेशन, पुराने वोटर्स के नाम और अपीलों से जुड़े कई सवाल सामने आए। आयोग के भीतर भी इसी दौरान असहमति दर्ज होने लगी। रिपोर्ट के मुताबिक, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने बीते 10 महीनों में कम से कम 14 बार आपत्तियां दर्ज कीं।



जम्मू-कश्मीर- रामबन में कार से दो पुलिसकर्मियों के शव मिले



जम्मू। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में 22 सितंबर की शाम एक कार से दो पुलिसकर्मियों के शव मिले। मृतकों की पहचान हेड कॉन्स्टेबल फरीद अहमद और सिलेक्शन ग्रेड कॉन्स्टेबल मोहम्मद याकूब के रूप में हुई है। दोनों रामबन की डिस्ट्रिक्ट पुलिस लाइंस में तैनात थे। दोनों कार में संदिग्ध हालत में मिले थे। स्थानीय लोग उन्हें जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मौत की वजह अभी साफ नहीं है। पुलिस ने मामले की जांच और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। रामबन जम्मू क्षेत्र को कश्मीर घाटी से जोड़ने वाले प्रमुख मार्ग पर स्थित है।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति, सुप्रीम कोर्ट का फैसला बंटा

एक जज केस पांच जजों की बेंच को भेजने के पक्ष में, दूसरे ने विरोध किया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े 2023 के कानून पर बुधवार को बंटा हुआ फैसला दिया है। दो जजों की बेंच को यह फैसला लेना था कि केस पांच जजों की बेंच को भेजा जाए या नहीं। जस्टिस दीपांकर दत्ता ने मामले को बड़ी बेंच को भेजने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। वहीं जस्टिस एससी शर्मा ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। दोनों जजों ने केस सीजेआई सूर्यकांत के सामने रखने के निर्देश दिए। साथ ही उखक से अनुरोध किया कि वे कि केस की सुनवाई के लिए पांच जजों की स्थायी बेंच बनाने की संभावना पर विचार करें।

जस्टिस शर्मा बोले- संसद कानून बना चुकी : जस्टिस शर्मा ने कहा कि जब पिछला फैसला आया तो वह एक वैक्यूम को भरने के लिए था। चयन को लेकर कोई स्पष्ट व्यवस्था नहीं थी। तब कोर्ट ने प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और चीफ



जस्टिस की कमेटी की बात कही। अब स्थिति अलग है। संसद कानून बना चुकी है। मेरा फैसला है कि मामला चीफ जस्टिस के सामने रखा जाए और वह 5 जजों की बेंच बनाएं।

याचिकाओं में नियुक्ति पैनल से उखक को हटाने पर सवाल : याचिकाओं में 2023 के उस कानून की वैधता को चुनौती दी गई है, जो उएउ और इलेक्शन कमिश्नर्स की नियुक्ति से जुड़ा है। इस कानून में इलेक्शन कमिश्नर्स की नियुक्ति करने वाले चयन पैनल से उखक को हटा दिया गया था। इस कानून का बचाव करते हुए केंद्र ने दलीली दी- यह मान लेना गलत होगा कि चयन समिति में संख्या बल होने के कारण प्रधानमंत्री और मंत्री ह्यबुरी मंशाह्न से काम करेंगे या लोकतंत्र के खिलाफ जाएंगे।

प्रधानमंत्री पर भरोसा करने का सवाल नहीं: कोर्ट

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की इस दलील पर जस्टिस दत्ता ने कहा कि अदालत प्रधानमंत्री पर भरोसा नहीं करती, ऐसा सवाल ही नहीं है। उन्होंने कहा- हम प्रधानमंत्री पर भरोसा क्यों नहीं करेंगे? निश्चित रूप से करेंगे। असली मुद्दा यह है कि चुनाव आयुक्त स्वतंत्र व्यक्ति होना चाहिए। उन्होंने पूछा कि क्या चयन समिति में ऐसे लोग नहीं होने चाहिए, जिससे निष्पक्षता दिखाई भी दे।

लद्दाख की छठी अनुसूची की मांग के समर्थन में उतरे खरगे, लेह गोलीबारी में मारे गए चार लोगों के लिए मांगा न्याय

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लद्दाख के लोगों की सार्थक संवैधानिक सुरक्षा की मांग का समर्थन किया है। खरगे ने कहा कि कांग्रेस लद्दाख के लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है। लद्दाख को लोगों की इस मांग में 'छठी अनुसूची' का दर्जा भी शामिल है, ताकि केंद्र शासित प्रदेश की जमीन, रोजगार के मौकों, नाजुक पर्यावरण, संस्कृति और पहचान की रक्षा की जा सके।



खरगे ने लद्दाख के लोगों की मांग का किया समर्थन : मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'एक साल पहले, लद्दाख के लोगों के लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकारों के लिए हो रहे आंदोलन के दौरान लेह में चार युवाओं को गोली मार दी गई थी। शहीद दिवस पर, हम उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं और उनके परिवारों के साथ पूरी एकजुटता के साथ खड़े हैं।' कांग्रेस नेता ने एक साल पहले हुई घटना को लेकर लिखा, '24 सितंबर की दुखद घटनाओं की न्यायिक जांच से पूरी सच्चाई सामने आनी चाहिए, जवाबदेही तय होनी चाहिए और बिना किसी डर या पक्षपात के न्याय मिलना चाहिए। लद्दाख के लोगों ने अपनी जायज मांगों को पूरा करने के लिए काफी लंबा इंतजार किया है।' लद्दाख के लोगों की छठी अनुसूची की मांग पर खरगे ने लिखा, 'कांग्रेस पार्टी लद्दाख की जमीन, रोजगार, नाजुक पर्यावरण, संस्कृति और पहचान की रक्षा के लिए 'छठी अनुसूची' समेत सार्थक संवैधानिक सुरक्षा उपायों की उनकी मांग के साथ मजबूती से खड़ी है।'

बीजेपी में बड़ा संगठनात्मक बदलाव

विनोद तावड़े यूपी प्रभारी, हरीश द्विवेदी को बिहार की कमान

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने पार्टी में बड़ा संगठनात्मक बदलाव करते हुए देश भर के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए नए प्रदेश



प्रभारियों एवं सह-प्रभारियों की नियुक्तियां की हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय नितिन नवीन की तरफ से की गई ये नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई हैं। भाजपा के केंद्रीय कार्यालय की तरफ से जारी आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष ने वरिष्ठ नेताओं और अनुभवी संगठनकर्ताओं को अलग-अलग राज्यों की जिम्मेदारी सौंपी है।

विनोद तावड़े बने उत्तर प्रदेश प्रभारी : भाजपा की तरफ से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, उत्तर प्रदेश के प्रभारी के तौर पर विनोद तावड़े को नियुक्त किया गया है। वहीं उत्तर प्रदेश के सह-प्रभारी के तौर पर जगदीश पटेल, मेधा कुलकर्णी, डॉ. प्रदीप वर्मा और अनंत ओझा को जिम्मेदारी दी गई है। वहीं बात अब बिहार की करें तो हरीश द्विवेदी को बिहार के प्रभारी के तौर पर नियुक्त किया गया है। वहीं सह-प्रभारी के तौर पर संगीता यादव और रोहन गुप्ता को जिम्मेदारी दी गई है।

यूएई में कर्नाटक के व्यक्ति की हत्या

शव को 9 टुकड़ों में काटकर दो बैग में रखा, कार से बरामद; पत्नी-बेटा लापता

नई दिल्ली। कर्नाटक के एक व्यक्ति की संयुक्त अरब अमीरात के शारजाह में हत्या कर दी गई। उनकी लाश 9 टुकड़ों में मिली। शव के टुकड़े दो बैग में भरकर कार में रखे थे। मृतक की पहचान उडुपी जिले के एल्विन प्रकाश कुंदर के रूप में हुई है। घटना की जानकारी एल्विन प्रकाश के भाई अनिल प्रशांत कुंदर ने मंगलवार को दी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मृतक की पत्नी और बेटा लापता हैं। उनके बारे में अभी तक कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।

कुंदर 14 साल से शारजाह एयरपोर्ट पर काम कर रहा था : एल्विन पिछले 14 साल से शारजाह एयरपोर्ट पर काम कर रहा था। पिछले साल दिसंबर में वह अपने घर आया था, इसके बाद शारजाह लौट गया। उनकी पत्नी टीना कुंदर उडुपी के उदयवारा की रहने वाली हैं। टीना शारजाह के एक स्कूल में टीचर हैं। उनका बेटा भी शारजाह में 10वीं क्लास में पढ़ रहा है। मृतक के भाई अनिल प्रशांत कुंदर ने 21 सितंबर को उडुपी के एसपी से मुलाकात कर मामले में कार्रवाई की मांग की। करीब एक हफ्ते बाद जब अनिल ने दोबारा फोन किया, तब भी कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने शारजाह में रहने वाले प्रकाश के क्लासमेट मनोहर से संपर्क किया और उसका पता लगाने के लिए कहा। मनोहर, प्रकाश को कंपनी की ओर से दिए गए फ्लैट पर पहुंचा। वहां मौजूद वॉचमैन



ने बताया कि प्रकाश भारत जा चुके हैं। इसके बाद अनिल ने कंपनी के एचआर से संपर्क किया। वहां से भी शुरूआत में उन्हें बताया गया कि प्रकाश भारत लौट गया है।

पासपोर्ट रिकॉर्ड से पता चला, प्रकाश शारजाह में ही थे : अनिल ने कंपनी से दोबारा संपर्क किया और बताया कि प्रकाश भारत नहीं आया। उन्होंने कंपनी से उनके बारे में जानकारी जुटाने को कहा। कंपनी ने जब पासपोर्ट रिकॉर्ड चेक किए तो पता चला कि प्रकाश तब भी शारजाह में था। इसके बाद प्रकाश के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई गई। जांच के दौरान प्रकाश का शव ओमान जाने वाले रास्ते के पास खड़ी एक कार से बरामद हुआ। शव को 9 टुकड़ों में काटकर दो बैग में रखा गया था। अनिल ने बताया कि परिवार को प्रकाश की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट 21 सितंबर को मिली। फिलहाल हत्या की वजह और इसमें कौन लोग शामिल थे, इसकी जानकारी स्पष्ट नहीं है। शारजाह पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जिनपिंग 11 साल बाद अमेरिका रवाना:ट्रम्प एयरपोर्ट पर रिसीव करेंगे

वॉशिंगटन। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग बुधवार दोपहर अमेरिका रवाना हो गए हैं। वे 11 साल वहां जा रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प जॉइंट बेस एंड्रयूज एयरपोर्ट पर उनका स्वागत करने पहुंचेंगे। किसी विदेशी नेता के स्वागत के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति का सीधे एयरपोर्ट जाना आम नहीं है। इससे पहले अगस्त 2025 में ट्रम्प ने अलास्का में रूसी राष्ट्रपति पुतिन का एयरफील्ड पर स्वागत किया था। इसके बाद व्हाइट हाउस में शी जिनपिंग और उनकी पत्नी पेंग लियुआन के सम्मान में राजकीय भोज होगा। इसके बाद ट्रम्प-जिनपिंग के बीच द्वपक्षीय बातचीत होगी। इसमें व्यापार, टैरिफ, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ताइवान और रूस से जुड़े मुद्दे शामिल हो सकते हैं। अमेरिका और चीन के बीच सबसे बड़ा मुद्दा ट्रेड और टैरिफ है। पिछले साल ट्रम्प के टैरिफ के जवाब में चीन ने भी अमेरिका के सामान पर बड़े टैक्स लगाए थे। अब दोनों देश एक-दूसरे के सामान पर लगे टैक्स को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। करीब 30-30 अरब डॉलर के सामान पर टैरिफ घटाने और ऊर्जा व कृषि उत्पादों पर टैक्स कम करने को लेकर बातचीत चल रही है। दोनों देशों के बीच टैरिफ कम रखने की मौजूदा सहमति 10 नवंबर को खत्म हो रही है। ऐसे में दोनों देश इस सहमति को आगे बढ़ाने के साथ ही टैरिफ में और कटौती के रास्ते तलाश रहे हैं।

दुनिया ने मानी भारत की बढ़ती ताकत

यूएनएससी में स्थायी सदस्यता के समर्थन में यूरोप के चार देश

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद यानी यूएनएससी में भारत की स्थायी सदस्यता की मांग को चार यूरोपीय देशों का समर्थन मिला है। वाइसेग्राड ग्रुप (वी4) में शामिल पोलैंड, हंगरी, स्लोवाकिया और चेक गणराज्य ने भारत को यूएनएससी का स्थायी सदस्य बनाए जाने का समर्थन किया है। स्लोवाकिया के विदेश मंत्री जुराज ब्लानार ने कहा कि भारत को संयुक्त राष्ट्र के सबसे अहम फैसले लेने वाले मंच पर स्थायी सदस्य के रूप में होना चाहिए। यह बात न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 81वें सत्र से इतर हुई पहली वी4+इंडिया विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद सामने आई। बैठक में विदेश मंत्री एस. जयशंकर के



साथ वी4 के चारों देशों के विदेश मंत्री शामिल हुए। स्लोवाकिया के विदेश मंत्री जुराज ब्लानार ने भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन करते हुए कहा कि हम सभी वी4 देशों की इस बात पर सहमति है कि भारत, ग्लोबल साउथ के एक देश और हिंद-प्रशांत क्षेत्र की उभरती महाशक्ति के रूप में, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य के तौर पर टेबल पर होना चाहिए। बैठक के बाद विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वी4+इंडिया प्रारूप में सहयोग के क्षेत्रों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने राजनीतिक, आर्थिक, तकनीकी, रक्षा, सांस्कृतिक और लोगों के बीच संपर्क को मजबूत करने पर सहमति जताई है।

पहली वी4+इंडिया बैठक में सहयोग और मजबूत करने पर चर्चा : विदेश मंत्रालय के मुताबिक, बैठक में भारत और वी4 देशों के बीच सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा हुई। मंत्रियों ने भारत और चारों यूरोपीय देशों के बीच पहले से मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को भी रेखांकित किया। साथ ही, वी4+इंडिया प्रारूप को मौजूदा द्विपक्षीय रिश्तों के साथ जोडकर सहयोग को और गति देने पर सहमति बनी। बैठक में व्यापार और निवेश, तकनीक और इनोवेशन, मजबूत सप्लाई चेन, रक्षा और सुरक्षा, कनेक्टिविटी, शिक्षा, लोगों की आवाजाही और आपसी संपर्क जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। भारत और वी4 देशों के कारोबारियों, विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों और दूसरे संबंधित पक्षों के बीच संपर्क बढ़ाने पर भी बातचीत हुई। इसके अलावा वैश्विक मुद्दों पर भी मंत्रियों ने अपने विचार साझा किए।

धान उपार्जन के लिए किसान पंजीयन जारी,किसानों का भूमि, फसल एवं रकबे का विवरण एग्रीस्टेक डाटाबेस से होगा सत्यापित

कटनी जिले में बनाए गए 51 पंजीयन केन्द्र, 10 अक्टूबर तक चलेगी प्रक्रिया

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए किसानों के पंजीयन की प्रक्रिया जारी है। पंजीयन प्रकिया 10 अक्टूबर तक चलेगी। कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने जिले में किसान पंजीयन के लिए कुल 51 पंजीयन केन्द्र निर्धारित किए हैं। पंजीयन कार्य सभी कार्य दिवसों में किया जाएगा। रविवार एवं शासकीय अवकाश के दिन पंजीयन नहीं होगा। इस वर्ष किसान पंजीयन प्रक्रिया को एग्रीस्टेक डाटाबेस से जोड़ा गया है। पंजीयन के दौरान किसान के स्वामित्व वाले खसरे, रकबे तथा बोई गई फसल की जानकारी एग्रीस्टेक डाटाबेस से प्राप्त होगी। इससे पंजीयन में किसान की वास्तविक भूमि एवं फसल संबंधी जानकारी का सत्यापन किया जा सकेगा।

विगत वर्ष के पंजीकृत और नवीन
किसानों के लिए अलग विकल्प

पंजीयन केन्द्रों पर खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के लिए दो विकल्प उपलब्ध है। एक विकल्प विगत वर्ष पंजीकृत किसानों के लिए तथा दूसरा नवीन किसानों के पंजीयन के लिए होगा। पूर्व पंजीकृत किसान आधार नंबर, समग्र परिवार आईडी, मोबाइल नंबर, एग्रीस्टेक किसान आईडी अथवा विगत वर्ष की किसान पंजीयन आईडी दर्ज कर अपना विवरण प्राप्त कर सकेंगे। आवश्यकता होने पर विवरण में नियमानुसार संशोधन किया जा सकेगा। नवीन किसानों को आवेदन में अपना पूरा विवरण दर्ज करना होगा। पंजीयन के दौरान किसान का सही आधार नंबर दर्ज करना अनिवार्य होगा। आधार का बायोमैट्रिक अथवा ओटीपी सत्यापन होने के बाद यूआईडीएआई के आधार डाटाबेस में दर्ज किसान की जानकारी ई-उपार्जन पोर्टल पर प्राप्त होगी। किसान के नाम और विवरण का आधार डाटाबेस से मिलान होने पर ही पंजीयन सुरक्षित किया जा सकेगा।

भूमि एवं फसल का विवरण एग्रीस्टेक
से लिया जाएगा

किसान पंजीयन में भूमि के खसरा नंबर, रकबा और बोई गई फसल की जानकारी एग्रीस्टेक डाटाबेस से ली जाएगी। पंजीयन में संबंधित किसान के खसरे की ही जानकारी दर्ज की जा सकेगी। यदि एग्रीस्टेक में किसान के सभी खसरे उपलब्ध नहीं हैं, तो शेष खसरे संबंधित पटवारी, सीएससी, ग्राम सहायक अथवा फार्मर रजिस्ट्री एमपी मोबाइल ऐप के माध्यम से एग्रीस्टेक डाटाबेस में जोड़े जा सकेंगे। खसरे में दर्ज फसल तथा उसके सिंचित अथवा असिंचित रकबे के आधार पर पंजीयन किया जाएगा। किसान को आवेदन में खसरेवार बोई गई फसल का विवरण दर्ज कराना होगा। ई-उपार्जन पोर्टल को एग्रीस्टेक से एकीकृत किए जाने के कारण भू-स्वामी के स्वामित्व वाले खसरे, फसल एवं रकबे की जानकारी के साथ किसान का यूनिक कोड और एग्रीस्टेक फार्मर आईडी भी पंजीयन डाटा में दर्ज होगा।

आधार नहीं होने पर भी निर्धारित
प्रक्रिया से पंजीयन की सुविधा

जिन किसानों के पास आधार नंबर नहीं है, उन्हें आधार केन्द्र पर जाकर आधार के लिए आवेदन करना होगा। समग्र आईडी अथवा आधार आवेदन की पंजीयन पावती के आधार पर भी निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार किसान का पंजीयन किया जा सकेगा। किसान द्वारा दर्ज मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी से सत्यापन के बाद पंजीयन सुरक्षित किया जाएगा। सफल पंजीयन के बाद इसकी जानकारी किसान को एसएमएस के माध्यम से प्राप्त होगी। किसान पंजीयन की जानकारी का प्रिंट भी पोर्टल से प्राप्त कर सकेगा।

सिकमी, बटाईदार एवं वन पट्टाधारी
किसानों के लिए विशेष व्यवस्था

सिकमी, बटाईदार एवं वन पट्टाधारी किसानों का पंजीयन सहकारी समितियों तथा सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्रों पर किया जाएगा। यदि सिकमी अथवा बटाईदार किसान ने एक से अधिक किसानों की भूमि सिकमी या बटाई पर ली है, तो प्रत्येक मूल किसान के साथ पृथक अनुबंध करना होगा और प्रत्येक के लिए अलग पंजीयन किया जाएगा। ऐसे किसानों को मूल किसान तथा स्वयं के आधार नंबर, एग्रीस्टेक किसान आईडी और निर्धारित प्रारूप में सिकमी/बटाई अनुबंध की प्रति पंजीयन केन्द्र पर प्रस्तुत करनी होगी। अनुबंध की स्पष्ट स्कैन प्रति ई-उपार्जन पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य होगा। इसके बाद ही पंजीयन की प्रक्रिया पूरी होगी। सिकमी/बटाईदार किसान के पंजीयन में मूल भू-स्वामी की एग्रीस्टेक किसान आईडी और आधार नंबर भी दर्ज किए जाएंगे तथा मूल भू-स्वामी का ओटीपी अथवा बायोमैट्रिक के माध्यम से प्रमाणीकरण किया जाएगा। वन पट्टाधारी किसानों के पंजीयन में वन पट्टा क्रमांक, खसरा, रकबा एवं बोई गई फसल की जानकारी दर्ज की जाएगी। वनाधिकार पट्टाधारी किसानों का वन पट्टा तथा सिकमी/बटाईदार किसानों का सिकमी/बटाई अनुबंध 15 सितंबर 2026 से पूर्व की अवधि में निर्धारित प्रारूप में पंजीकृत होना आवश्यक है। सिकमी/बटाई अनुबंध की अवधि अधिकतम पांच वर्ष निर्धारित है।

गलत खसरा जोड़ने पर होगी वैधानिक कार्रवाई

किसान पंजीयन के दौरान बोई गई फसल, उसकी किस्म तथा विक्रय योग्य मात्रा की जानकारी भी आवेदन में ली जाकर पोर्टल पर दर्ज की जाएगी। किसी अन्य व्यक्ति के खसरे को किसान के पंजीयन में जोड़े जाने अथवा गलत पंजीयन किए जाने की स्थिति में संबंधित समिति प्रबंधक एवं कंप्यूटर ऑपरेटर के विरुद्ध दंडात्मक एवं वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

किसान यहां करा सकेंगे पंजीयन

कलेक्टर श्री तिवारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार कटनी तहसील के अंतर्गत प्राथमिक कृषि साख समिति पहाड़ी, कटनी नगर तहसील के अंतर्गत प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति कन्हवारा, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति चाका कैलवारा और वृहत्ताकार कृषि साख समिति कटनी को पंजीयन का दायित्व सौंपा गया है। इसी प्रकार ढीमरखेड़ा तहसील में प्राथमिक कृषि साख समिति उमरियापान, प्राथमिक कृषि साख समिति खमतरा, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति ढीमरखेड़ा, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति दशरमन, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति सिलौड़ी, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति झिन्ना पिपरिया, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति देवरी मंगेला और प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति उमरियापान पंजीयन केन्द्र होंगे। बड़वारा तहसील के अंतर्गत प्राथमिक कृषि साख समिति बड़वारा, प्राथमिक कृषि साख समिति विलायतकला केंद्र क्र. 01 और 02, प्राथमिक कृषि साख समिति अमाड़ी, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति बसाड़ी और प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति नन्हवारा सेझा को पंजीयन केन्द्र बनाया गया है। बरही तहसील में प्राथमिक कृषि साख समिति बरही, प्राथमिक कृषि साख समिति पिपरियाकलां, प्राथमिक कृषि साख समिति खितौली केंद्र क्र. 01 और 02 को पंजीयन की जिम्मेदारी दी गई है।

तहसील बहोरीबंद में प्राथमिक कृषि साख समिति बहोरीबंद, प्राथमिक कृषि साख समिति हथियागढ़ केन्द्र क्र. 01, प्राथमिक कृषि साख समिति कुआं, प्राथमिक कृषि साख समिति कूड़न, प्राथमिक कृषि साख समिति बाकल, प्राथमिक कृषि साख समिति सिहुड़ी, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति इमलिया, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति चांदनखेड़ा, प्राथमिक कृषि साख समिति देवरी खरगवां, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति सलैया पटोरी और प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति बरही (बाकल) में किसान पंजीयन करा सकेंगे। तहसील रीठी में कृषि विपणन सहकारी समिति रीठी, प्राथमिक कृषि साख समिति बिलहरी, प्राथमिक कृषि साख समिति बड़गांव, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति बकलेहटा, प्राथमिक कृषि साख समिति रैपुरा और प्राथमिक कृषि साख समिति देवगांव को पंजीयन केन्द्र बनाया गया है। विजयराघवगढ़ तहसील में प्राथमिक कृषि साख समिति सिनगौंडी, प्राथमिक कृषि साख समिति विजयराघवगढ़, प्राथमिक कृषि साख समिति देवराकला, प्राथमिक कृषि साख समिति जिवारा, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति अमेहटा नन्हवारा, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति सलैया कोहारी और प्रियदर्शनी विपणन सहकारी समिति विजयराघवगढ़ पंजीयन केन्द्र होंगे। स्लीमनाबाद तहसील में प्राथमिक कृषि साख समिति तेवरी, प्राथमिक कृषि साख समिति स्लीमनाबाद, प्राथमिक कृषि साख समिति पडरभटा, प्राथमिक कृषि साख समिति कौडिया तथा प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति धरवारा पंजीयन केन्द्र होंगे।

फौती नामांतरण आदेश का अमल नहीं करने पर पटवारी की एक वेतन वृद्धि रोकी



दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत कन्हवारा में आयोजित शिविर में कलेक्टर आशीष तिवारी के समक्ष प्राप्त शिकायत की जांच के कलेक्टर के निर्देश पर के बाद जांच के दौरान पाया गया कि पटवारी द्वारा फौती नामांतरण आदेश का राजस्व अभिलेख में अमल नहीं किया गया है। इसे लापरवाही मानते हुये तहसील कटनी नगर के ग्राम पटवारा के हल्का नंबर 10 की पटवारी श्रीमती राबिया बानो का आगामी एक वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोक दिया गया है।

फौती नामांतरण आदेश के
बावजूद नहीं किया अमल

तहसीलदार कटनी नगर के प्रतिवेदन के अनुसार नायब तहसीलदार वृत्त मझगवां, तहसील कटनी नगर अंतर्गत आवेदक मनोज कुमार भूमिया पिता रामबिहारी भूमिया ने ग्राम पटवारा स्थित खसरा नंबर 576, 246 एवं 247 में दर्ज खातेदार रामबिहारी भूमिया की मृत्यु के बाद फौती नामांतरण आदेश का राजस्व अभिलेख में अमल नहीं होने की शिकायत की थी। जांच में अंतिम आदेश पारित होने के बावजूद अभिलेख में उसका अमल नहीं किया जाना पाया गया।

जवाब समाधानकारक
नहीं मिलने पर कार्रवाई

मामले में हल्का नंबर 10 की पटवारी श्रीमती राबिया बानो को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया। पटवारी द्वारा प्रस्तुत जवाब का अवलोकन करने पर उसे समाधानकारक नहीं पाया गया।

एक वेतनवृद्धि असंचयी
प्रभाव से रोकी

पटवारी का कृत्य म.प्र. सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम 3(1), 3(2) एवं 3(3) का उल्लंघन पाए जाने पर म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम 10 के तहत एसडीएम कटनी श्री जितेन्द्र पटेल ने उनकी आगामी एक वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकने के आदेश जारी किए गए हैं।

खाद्य आपूर्ति विभाग ने 8 सिलेंडर और 2 चूल्हा-भट्टी किया जब्त
कलेक्टर के निर्देश पर घरेलू एलपीजी के व्यावसायिक उपयोग के विरूद्ध हुई छापामार कार्रवाई



दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। जिले में घरेलू एलपीजी सिलेंडरों के अनधिकृत एवं व्यावसायिक उपयोग की रोकथाम के लिए कलेक्टर श्री आशीष तिवारी के निर्देश पर खाद्य आपूर्ति विभाग ने बुधवार को कटनी नगर के विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में छापामार कार्रवाई की। इस कार्रवाई में संयुक्त जांच दल ने दो प्रतिष्ठानों से 8 घरेलू सिलेंडर एवं 2 चूल्हा-भट्टी जब्त किया। जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि जांच दल ने कोतवाली के सामने स्थित श्री गणेश मसाला डोसा तथा रेलवे स्टेशन कटनी के प्लेटफार्म नंबर-01 स्थित फूड प्लाजा रेलवे कैंटीन का निरीक्षण किया। दोनों प्रतिष्ठानों में 14.2 किलोग्राम क्षमता के घरेलू एलपीजी सिलेंडरों का उपयोग खाद्य सामग्री तैयार करने में किया जाना पाया गया। कार्रवाई के दौरान श्री गणेश मसाला डोसा से 4 सिलेंडर व 1 चूल्हा-भट्टी तथा फूड प्लाजा रेलवे कैंटीन से 4 सिलेंडर व 1 चूल्हा-भट्टी जब्त की गई। घरेलू एलपीजी सिलेंडरों का निर्धारित प्रयोजन के विपरीत व्यावसायिक उपयोग द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (आपूर्ति और वितरण का विनियमन) आदेश, 2000 के प्रावधानों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की गई। छापामार कार्रवाई सहायक आपूर्ति अधिकारी श्री यज्ञदत्त त्रिपाठी एवं श्री जितेन्द्र बर्मन तथा कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री सुनील किरार एवं श्री नागेश्वर श्रीवास द्वारा संयुक्त रूप से की गई। विभाग ने स्पष्ट किय है कि व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में निर्धारित मानकों के अनुरूप वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडरों का उपयोग सुनिश्चित करने तथा घरेलू एलपीजी के अनधिकृत व्यावसायिक उपयोग के विरुद्ध प्रवर्तन कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

विद्युत कंपनी के मुख्य अभियंता ने की मासिक समीक्षा



दैनिक रेवांचल टाईम्स, पन्ना। विद्युत कंपनी के मुख्य अभियंता सागर क्षेत्र द्वारा आज पन्ना कार्यालय में पन्ना वृत्त की समीक्षा की गई। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता अशोक निकोसे, कार्यपालन अभियंता पवई एवं पन्ना, सहायक और कनिष्ठ अभियंता भी उपस्थित रहे। इस दौरान वित्तीय वर्ष 2026-27 की राजस्व प्राप्ति की प्रगति, गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति तथा उपभोक्ताओं की समस्या वर्क्स एवं प्रोजेक्ट के कार्य के समयावधि में निराकरण सहित समस्त बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की गई। जिन वितरण केन्द्रों में राजस्व वसूली की अपेक्षित प्रगति संतोषजनक नहीं पायी गई, उन केंद्रों के प्रभारियों के विरुद्ध कार्यवाही के निर्देश दिये गये तथा शेष वितरण केंद्र प्रभारियों को प्रगति बढ़ाने एवं निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने के सख्त निर्देश दिए गए। राजस्व वसूली में तेजी लाने, लंबित बकाया की प्रभावी वसूली सुनिश्चित करने तथा प्रत्येक वितरण केंद्र द्वारा निर्धारित पैरामीटर के अनुरूप डीआरए, कुर्की एवं एकाउंट सीज कार्य करने पर विशेष जोर दिया गया। इसके साथ ही विद्युत चोरी रोकने के लिए टीम गठित कर पंचनामा तैयार कराने हेतु निर्देशित किया गया। कार्यपालन अभियंता संभाग पन्ना को लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया गया। मुख्य अभियंता द्वारा उपभोक्ताओं की शिकायतों के समयबद्ध निराकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा गुणवत्तापूर्ण एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनाए रखने के संबंध में आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए गए। अंत में सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे प्रतिदिन की प्रगति की समीक्षा करते हुए प्रतिमाह राजस्व वसूली को बढ़ाएं तथा उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं प्रदान करना सुनिश्चित करें। बैठक उपरांत मुख्य अभियंता एस.आर. येमदे द्वारा वितरण केन्द्र पन्ना शहर एवं 33/11 के.वी. उपकेंद्र पन्ना का औचक निरीक्षण भी किया गया। उपकेंद्र में सभी शटडाउन व ब्रेकडाउन की आईओएमएस में एंट्री की जांच भी की। साफ-सफाई बनाए रखने, सुरक्षा उपकरणों का अनिवार्य उपयोग सुनिश्चित करने, निर्धारित नियमों का पालन करने तथा समस्त अभिलेखों का सुव्यवस्थित संधारण करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

जल्द आयोजित होंगे मेगा हेल्थ कैंप और आई चेकअप कैंप
गांवों के द्वार पहुंची सेहत, जेके सीमेंट की मोबाइल मेडिकल वैन से मिल रहा निःशुल्क इलाज

दैनिक रेवांचल टाईम्स, पन्ना। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने के उद्देश्य से जेके सीमेंट द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (उरफ) के तहत मोबाइल मेडिकल वैन का संचालन किया जा रहा है। वैन के माध्यम से दूर-दराज के गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों को उनके घर के पास ही निःशुल्क चिकित्सकीय परामर्श, स्वास्थ्य जांच और आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई जा रही हैं। मोबाइल मेडिकल वैन में योग्य चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ और प्राथमिक स्वास्थ्य जांच के उपकरण उपलब्ध हैं। निर्धारित गांवों में पहुंचकर चिकित्सा दल ग्रामीणों की जांच करने के साथ सामान्य बीमारियों के उपचार एवं दवाइयों का वितरण कर रहा है। साथ ही ग्रामीणों को स्वच्छता, मौसमी बीमारियों से



बचाव और संतुलित खान-पान के प्रति जागरूक किया जा रहा है। जेके सीमेंट द्वारा आने वाले दिनों में मेगा हेल्थ कैंप आयोजित करने की योजना है, जिसमें विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इसके अलावा ग्रामीणों के लिए निःशुल्क आई चेकअप कैंप भी लगाए जाएंगे, जिसमें आंखों की जांच के साथ जरूरतमंद मरीजों को उचित चिकित्सकीय परामर्श दिया जाएगा। कंपनी प्रबंधन के अनुसार मोबाइल मेडिकल वैन के माध्यम से ग्रामीणों को प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं उनके गांव के समीप ही उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। आगामी मेगा हेल्थ कैंप और नेत्र जांच शिविर से विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ भी ग्रामीणों तक पहुंचाने की दिशा में पहल की जा रही है।

सलेहा में खौफनाक सड़क हादसा

दैनिक रेवांचल टाईम्स, पन्ना। सलेहा राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 943 पर पटना और रीछुल मोड़ के बीच आधी रात एक हृदयविदारक सड़क दुर्घटना घटित हुई। गल्ला व्यापार के सिलसिले में नगौद गए 35 वर्षीय व्यापारी इंदल साहू (निवासी मझरा रीछुल, जसो, सतना) जब देर रात अपनी हीरो एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे, तब सलेहा की ओर जा रहे एक तेज रफ्तार अज्ञात भारी वाहन (ट्रक) ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी।

50 मीटर तक घसीटता चला गया शव, क्षत-विक्षत अवस्था में मिले अवशेष- टक्कर इतनी भयावह थी कि इंदल साहू वाहन के निचले हिस्से में फंस गए और करीब 50 मीटर तक सड़क पर घसीटते चले गए। हादसे में उनका शरीर पूरी तरह क्षत-विक्षत हो गया तथा शरीर के कई हिस्से सड़क पर दूर-दूर तक बिखर गए। सुबह करीब 4 बजे गश्त पर निकली सलेहा पुलिस को हाईवे पर क्षत-विक्षत शव और दुर्घटनाग्रस्त बाइक मिली। सुबह पुलिस ने बाइक नंबर के आधार पर परिजनों को सूचना दी, जिसके बाद मृतक की शिनाख्त हो सकी।

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल, मासूमों के सिर से छिना सहारा- मृतक इंदल साहू अपने पीछे दो छोटे-छोटे बच्चों और पत्नी को छोड़ गए हैं। घटना की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया तथा पूरे गांव में मातम पसर गया है। मृतक के रिश्तेदारों व परिजन अजय साहू ने बताया कि "इंदल रात में व्यापार निपटाकर लौट रहे थे। हादसे ने उनके बच्चों का एकमात्र सहारा छीन लिया है। प्रशासन से मांग है कि आरोपी वाहन चालक को जल्द गिरफ्तार किया जाए और पीड़ित परिवार व बच्चों के भरण-पोषण के लिए उचित आर्थिक सहायता प्रदान की जाए।

अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी
पुलिस, खंगाले जा रहे उउळश फुटेज

सलेहा थाना प्रभारी शक्ति प्रसाद पांडेय ने पुलिस टीम के साथ घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर उसे अंतिम संस्कार हेतु परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। हादसे के लिए जिम्मेदार अज्ञात वाहन और उसके चालक की पहचान के लिए हाईवे एवं आसपास लगे उउळश फुटेज खंगाले जा रहे हैं तथा मामले की निष्पक्ष जांच जारी है।

अंतर्राज्यीय गिरोह के फरार 02 आरोपियों को मुंबई से किया गया गिरफ्तार

दैनिक रेवांचल टाईम्स, पन्ना। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना सुश्री वंदना सिंह चौहान तथा एस.डी.ओ.पी. पन्ना श्री एस.पी. सिंह बघेल के मार्गदर्शन में थाना कोतवाली पुलिस एवं साइबर सेल पन्ना की संयुक्त टीम ने बैंक से बड़ी राशि निकालने वाले लोगों की रैकी कर उनका पीछा करते हुए नगदी चोरी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह के फरार 02 आरोपियों को मुंबई से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। उल्लेखनीय है कि थाना कोतवाली पन्ना क्षेत्र में बैंक से नगदी निकालकर जा रहे फरियादी की मोटरसाइकिल की डिग्गी से ?2,24,000/- नगदी चोरी की घटना के अनुसंधान के दौरान पुलिस द्वारा पूर्व में गिरोह के 02 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ एवं तकनीकी विवेचना के आधार पर गिरोह के अन्य फरार सदस्यों की पहचान एवं तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में पुलिस टीम द्वारा लगातार तकनीकी साक्ष्यों, डिजिटल इनपुट, संदिग्धों की गतिविधियों एवं मुखबिर तंत्र के माध्यम से जानकारी एकत्रित कर फरार आरोपियों की तलाश की गई। पुलिस टीम के अथक प्रयासों एवं सटीक सूचना के आधार पर दोनों फरार आरोपियों को मुंबई से गिरफ्तार कर पन्ना लाया गया है।

धनीराम गुप्ता का परिवार 56 वर्षों से गणपति बप्पा की कर रहा है सेवा, आस्था व एकता का बना मिसाल



दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। धनपुरी नगर इन दिनों एक ऐसे अनोखे और धर्मपरायण परिवार की चर्चा से सराबोर है, जो न केवल धार्मिक आस्था की जीती-जागती मिसाल बन चुका है, बल्कि समाज के लिए पारिवारिक एकजुटता का एक अद्भुत संदेश भी दे रहा है। यहाँ के प्रतिष्ठित व्यवसायी धनीराम गुप्ता का परिवार पिछले लगातार 56 वर्षों से पूरी श्रद्धा, अटूट विश्वास और भक्ति भाव के साथ गणपति बप्पा की सेवा कर रहा है। आज के आधुनिक युग में जहाँ संयुक्त परिवार टूट रहे हैं, वहाँ इस परिवार की यह अटूट परंपरा हर किसी को प्रेरणा दे रही है। इस धार्मिक अनुष्ठान की सबसे खूबसूरत बात यह है कि इसमें परिवार के पाँच भाइयों के पूरे परिवार सहित कुल 45 सदस्य एक साथ शामिल होते हैं। यह विशाल परिवार राजीव मार्केट में एक ही छत के नीचे मिलकर रहता है और बप्पा के उत्सव को भव्य रूप देता है। परिवार में सुख-समृद्धि और समाज में एकता की कामना के साथ शुरू हुआ यह उत्सव हर साल अपनी दिव्यता और भव्यता के नए आयाम स्थापित कर रहा है। इस गणेश उत्सव में उम्र की कोई सीमा नहीं दिखती। परिवार के सबसे बड़े 63 वर्षीय मुखिया धनीराम गुप्ता से लेकर सबसे छोटे सदस्य 3 वर्ष के नन्हे शिवांश तक, सभी इस धार्मिक अनुष्ठान में अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन करते हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, हर कोई बप्पा की सेवा में लीन रहता है। सभी परिवारजन मिलकर झांकी को सजाते हैं और उसे एक मनमोहक और भव्य रूप देते हैं। हर बरस एक नई साज-सज्जा और अनूठी झांकी के साथ गणपति उत्सव का आयोजन कर यह परिवार न केवल सनातन धर्म की ध्वजा को फहरा रहा है, बल्कि समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और एकता का एक सशक्त संदेश भी दे रहा है। गुप्ता परिवार का यह सामूहिक प्रयास पूरे नगर वासियों के आकर्षण और श्रद्धा का केंद्र बना हुआ है।

नदी पार कर कब्रिस्तान जाना बन सकता है मौत का सफर, तेज बहाव के बीच लोग पार कर रहे हैं नदी



दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। मौत के बाद हर इंसान को दो गज जमीन तक पहुंचने का हक है,लेकिन नोरोजाबाद से सटे ग्राम कंचनपुर में यह आखिरी सफर भी किसी इम्तिहान से कम नही। जिले के कंचनपुर के पीपल चौक के पास रहने वाले मुजीबुर्रहमान का हार्ट अटैक से निधन हो गया। बुधवार को उन्हें गांव के उस कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया, जो नदी की दूसरी ओर स्थित है। जनाजा कब्रिस्तान तक पहुंचाने के लिए लोगों को करीब 4 से 5 फीट गहरी नदी की धार पार करनी पड़ी। शव को पानी के बीच से लेकर गुजरना जोखिम भरा था। तेज बहाव और गहराई के कारण बड़ी संख्या में लोग चाहकर भी नदी पार करने की हिम्मत नहीं जुटा सके और आखिरी मिट्टी में शामिल होने से महरूम रह गए। यह दृश्य सिर्फ एक परिवार की मजबूरी नहीं, बल्कि व्यवस्था के सामने खड़ा बड़ा सवाल भी है कि आखिर किसी इंसान के आखिरी सफर के लिए भी सुरक्षित रास्ता क्यों नहीं। स्थानीय लोगों का कहना है कि नदी पर रपटा या सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था की मांग कई बार प्रशासन से की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई। अंतिम संस्कार के लिए मुक्तिधाम जाना लोगो के लिए मौत का सफर बन सकता है। इसी तरह उमरिया मुख्यालय के ज्वालामुखी टोला में भी मुक्तिधाम नदी के दूसरी ओर श्मशान घाट होने के कारण लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है। हालात की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि हाल ही में अंतिम संस्कार के लिए शव ले जाते समय तेज बहाव में शव दो बार नदी में बह गया। परिजनों की तत्परता से उसे तत्काल पकड़ लिया गया, जिसके बाद अंतिम संस्कार हो सका। ज्वालामुखी श्मशान घाट तक सुरक्षित पहुंच मार्ग के लिए महिला वार्ड पार्षद विनीता संजय तिवारी और सविता सोंधिया ने नगरपालिका से जल्द रपटा सहित आवश्यक व्यवस्था कराने की मांग की है। कंचनपुर और ज्वालामुखी की तस्वीरें देख एक सवाल जरूर सामने खड़ा है कि क्या आखिरी सफर को सुरक्षित बनाने के लिए भी अब किसी हादसे का इंतजार करना पड़ेगा।

समाजसेवी शिवांश सिंह राजपूत ने एनएच-43 पर सड़क हादसे में घायल डॉक्टर की बचाई जान



दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। पयारी नम्बर 91 में स्थित एसएसआर इंटरनेशनल स्कूल के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 43 पर दो बाइकों की आमने-सामने हुई जोरदार भिड़ंत में एक डॉक्टर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में घायल हुए डॉ. आदित्य तिवारी की जान बदरा निवासी समाजसेवी शिवांश सिंह राजपूत ने समय पर अस्पताल पहुंचाकर बचा ली। यह घटना एक बार फिर सड़क सुरक्षा और मानवीय संवेदनाओं की एक मिसाल बन गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 53 वर्षीय डॉ. आदित्य तिवारी, जो कि छिल्पा के निवासी हैं, किसी कार्यवश अपनी बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान पयारी स्थित एसएसआर इंटरनेशनल स्कूल के समीप एनएच-43 पर उनकी बाइक की अन्य बाइक से भीषण टक्कर हो गई। इस दर्दनाक हादसे में डॉक्टर के सिर, हाथ और कंधे पर गंभीर चोटें आईं, जिससे वे सड़क पर लहूलुहान अवस्था में गिर पड़े और उन्हें तत्काल चिकित्सीय सहायता की आवश्यकता आन पड़ी थी। घटना की भनक लगते ही इलाके के जाने-माने समाजसेवी शिवांश सिंह राजपूत बिना एक पल गंवाए तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने अपनी तत्परता और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए बिना किसी विलंब के अपने निजी वाहन से घायल डॉक्टर को फुंनगा स्थित अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने तुरंत उनका प्राथमिक उपचार शुरू किया, जिससे उनकी स्थिति को स्थिर किया जा सके। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने डॉक्टर की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला मुख्यालय अनूपपुर के लिए रेफर कर दिया, जहां उनका आगे का इलाज जारी है। समय पर अस्पताल पहुंचाकर उन्होंने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि मानवता और सेवाभाव से बढ़कर दुनिया में कुछ नहीं है।

फावड़ा मारकर महिला की हुई थी हत्या, आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार, बेटा निकला माँ का हत्यारा

संपत्ति-जेवर के लालच में किया कारनामा

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिस मां ने बेटे को जन्म दिया, उसी बेटे ने लालच में मां की जिंदगी छीन ली, खेत के बीच बने सुनसान घर में 55 साल की विधवा प्रेम बाई अहिरवार अकेली थीं। लेकिन उन्हें क्या पता था कि मौत बाहर से नहीं, बल्कि अपने ही घर से आने वाली है। 18 सितंबर को फावड़े से सिर पर एक के बाद एक वार कर मां की हत्या करके फरार हो गया था। सीधी पुलिस ने इस खौफनाक हत्याकांड का पदार्फाश कर आरोपी बेटे कौशल अहिरवार को गिरफ्तार कर लिया है। मामला सीधी थाना क्षेत्र के ग्राम दरैन के बाहा टोला का है। प्रेम बाई अहिरवार, पति स्वर्गीय राम नारायण अहिरवार, अपने खेत में बने मकान में अकेली रहती थीं, उनके पति शिक्षक थे और वर्ष 2020 में उनकी मृत्यु हो गई थी, बताया जा रहा है कि पति की मौत के बाद प्रेम बाई खेत में ही मकान बनाकर रहने लगी थीं. परिवार में उनके दो बेटे हैं। बड़ा बेटा उमरिया जिले के पाली में डाक विभाग में कार्यरत है, जबकि छोटा बेटा देवशरण गांव के पुराने मकान में अलग रहता है। घटनास्थल से मिले साक्ष्यों, परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ तथा तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस की जांच हत्या की कड़ी को परिवार तक ले गई। जांच में पुलिस को बेटे कौशल अहिरवार पर संदेह हुआ, पूछताछ में कथित तौर पर हत्या की वजह मां की संपत्ति, नगदी और जेवरात का लालच सामने आया, पुलिस के अनुसार, कौशल ने फावड़े से मां के सिर पर कई वार कर हत्या की थी। बताया जा रहा है कि आरोपी कौशल के पिता शिक्षक थे और उनकी मृत्यु के बाद उसे अनुकंपा नियुक्ति मिली थी, जिसके तहत वह स्कूल में भृत्य के पद पर पदस्थ था,पुलिस अब हत्या में इस्तेमाल फावड़े सहित अन्य साक्ष्यों को जुटाकर मामले की जांच आगे बढ़ा रही है।



सड़क निर्माण की मांग को लेकर विधायक ग्रामीणों के साथ सड़क पर बैठे धरने पर, 3 घंटे बाधित रहा मार्ग

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। पुष्पराजगढ़ क्षेत्र में स्वीकृत सड़क का निर्माण शुरू नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी है। सड़क निर्माण शुरू कराने की मांग को लेकर कांग्रेस विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को ग्रामीणों के साथ सड़क पर बैठ गए। राजेंद्रग्राम से डिंडौरी-जबलपुर जाने वाले मुख्य मार्ग पर हुए चक्काजाम के कारण करीब 3 घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। ग्राम लखौरा से बोदा तक सड़क निर्माण की स्वीकृति कई साल पहले हो चुकी है, लेकिन अब तक काम शुरू नहीं हुआ। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क नहीं बनने से उन्हें लंबे समय से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने शासन और प्रशासन पर उनकी मांग की अनदेखी करने का आरोप लगाया। इसी मांग को लेकर विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को भी ग्रामीणों के साथ प्रदर्शन में शामिल हुए। विधायक और ग्रामीणों ने सड़क पर बैठकर शासन-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और जल्द निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की। विधायक और ग्रामीणों के चक्काजाम के कारण राजेंद्रग्राम से डिंडौरी और जबलपुर जाने वाला मुख्य मार्ग करीब 3 घंटे तक बंद रहा। सड़क पर वाहनों की आवाजाही रुकने से राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी हुई। मार्ग पर वाहनों की कतार भी लग गई। चक्काजाम की सूचना मिलने के बाद प्रशासन की ओर से तहसीलदार मौके पर पहुंचे। उन्होंने विधायक और ग्रामीणों से बातचीत की और उनकी मांगों से संबंधित ज्ञापन लिया। तहसीलदार ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि उनकी मांगों को वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा और आगे की कार्रवाई की जानकारी दी जाएगी। आश्वासन मिलने के बाद विधायक और ग्रामीणों ने चक्काजाम समाप्त कर दिया और मार्ग पर यातायात शुरू हुआ।



37 लाख की सड़क पर फर्जी भुगतान का आरोप, मजदूरी हड़पने की शिकायत, भाजपा जिलाध्यक्ष व महामंत्री कटघरे में

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जनपद पंचायत गोहपारू क्षेत्र की ग्राम पंचायत सेमरा में करीब 37 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत ग्रेवल मार्ग को लेकर गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। ग्राम पंचायत सेमरा के सरपंच ने जिला कलेक्टर और क्षेत्रीय विधायक को शिकायत देकर निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि दयाराम के घर से वाले के घर तक प्रस्तावित ग्रेवल मार्ग का निर्माण निर्धारित मापदंडों के अनुरूप नहीं कराया गया और कागजों में कार्य पूर्ण दर्शाकर भुगतान कर दिया गया। सरपंच के अनुसार, निर्माण कार्य में वास्तविक रूप से काम करने वाले मजदूरों को अब तक उनकी मजदूरी का भुगतान नहीं किया गया है। आरोप है कि फर्जी मस्टर रोल तैयार कर मजदूरों के नाम पर राशि का आहरण किया गया। मजदूरी नहीं मिलने के कारण संबंधित मजदूरों द्वारा लगातार सीएम हेल्पलाइन में शिकायतें की जा रही हैं। शिकायत में निर्माण सामग्री की गुणवत्ता को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। सरपंच का आरोप है कि मार्ग पर निर्धारित मोटाई के स्थान पर महज करीब एक इंच डस्ट की परत डालकर खानापूर्ति की गई। वहीं करीब चार इंच सिक्स एमएम सामग्री के फर्जी बिल लगाए जाने का भी आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता के मुताबिक निर्माण के दौरान किसी भी परत पर रोलर नहीं चलाया गया तथा बिना टेस्ट रिपोर्ट के खराब गुणवत्ता की ग्रेवल और मुरूम का उपयोग किया गया। बताया गया है कि बारिश के दौरान सड़क की स्थिति खराब होने लगी है और कई स्थानों पर मार्ग बह रहा है। शिकायत में निर्माण कार्य से जुड़े जिम्मेदार कर्मचारियों तथा कार्य करा रहे ठेकेदारों की भूमिका की जांच की मांग की गई है। सरपंच ने जिला प्रशासन से पूरे मामले की तकनीकी एवं वित्तीय जांच कराकर वास्तविक मजदूरों को मजदूरी दिलाने, गुणवत्ता की जांच करने तथा अनियमितता पाए जाने पर जिम्मेदारों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करने की मांग की है। शिकायत में भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष सुरेश चतुर्वेदी और गोहपारू मंडल महामंत्री नरेंद्र मिश्रा की भूमिका पर भी आरोप लगाए गए हैं।

चेक बाउंस के मामले में आरोपी को एक वर्ष का सश्रम कारावास एवं ?5,75,578/- प्रतिकर जमा करने का आदेश



दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। भारतीय स्टेट बैंक, शाखा कलेक्ट्रेट एरिया, अनूपपुर द्वारा प्रस्तुत चेक अनादरण के प्रकरण में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, अनूपपुर के न्यायालय द्वारा आरोपी अब्दुल आसिफ मंसूरी पिता अब्दुल कादिर मंसूरी, उम्र 32 वर्ष, निवासी वार्ड नं. 03, मस्जिद रोड, अनूपपुर को अपराध में दोषसिद्ध करते हुए 01 वर्ष के सश्रम कारावास से दंडित किया गया है। प्रकरण में भारतीय स्टेट बैंक की ओर से पैनल अधिवक्ता श्री विजेन्द्र सोनी ने पैरवी की। न्यायालय के निर्णय के अनुसार आरोपी द्वारा जारी चेक की राशि ?4,81,426/- थी। चेक दिनांक 07.12.2023 से निर्णय दिनांक 18.09.2026 तक 9 प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज की गणना करते हुए न्यायालय ने कुल ?6,00,578/- की राशि प्रतिकर के रूप में निर्धारित की। प्रकरण लंबित रहने के दौरान आरोपी द्वारा कुल ?25,000/- जमा किए जाने को समायोजित करते हुए न्यायालय ने आरोपी को शेष ?5,75,578/- की राशि अदा करने का निर्देश दिया। न्यायालय ने निर्देशित किया कि प्रतिकर की राशि का भुगतान न करने की स्थिति में विधि के अनुसार उसके परिणाम भुगतने होंगे। आरोपी को ?20,257/- की राशि अभियोजन व्यय के रूप में भी अदा करने का आदेश दिया गया है। उक्त राशि का भुगतान न करने की स्थिति में 15 दिवस का साधारण कारावास भुगतना होगा। न्यायालय ने आरोपी को सुनाई गई सजा के संबंध में सजा वारंट तैयार कर जिला जेल भेजे जाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, पूर्व में दिए गए जमानत एवं बंधपत्र संबंधी आदेशों को निरस्त किए।

पुराने भवन में निर्माण कार्य के दौरान लोहे का गार्डर टूटा, दो मजदूर मलबे में दबकर हुए घायल

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिला मुख्यालय में पुराने भवन में चल रहे निर्माण कार्य के दौरान अचानक लोहे का गार्डर टूट गया। इसके साथ ही निमार्णाधीन हिस्सा भरभराकर नीचे आ गिरा और वहां काम कर रहे दो मजदूर मलबे में दब गए। आसपास मौजूद लोगों और साथी मजदूरों ने किसी तरह दोनों को बाहर निकाला। हादसे में औढेरा निवासी हीरालाल रैदास और लाला सिंह घायल हुए हैं। घटना के बाद मौके पर पहुंची नगर पालिका की टीम ने भवन के खतरनाक हिस्से को जेसीबी से ढहा दिया। घटना बस स्टैंड के पास मुख्य मार्ग किनारे स्थित एक पुरानी दो मंजिला इलेक्ट्रॉनिक्स दुकान में हुई। बताया गया कि भवन काफी पुराना है और उसके भीतर दुकान का संचालन भी किया जा रहा था। इसी दौरान अंदर से तोड़फोड़ कर नए निर्माण का काम कराया जा रहा था। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण के दौरान सुरक्षा इंतजाम भी पर्याप्त नहीं थे। घटना के भी बाद कुछ समय तक निर्माण कार्य जारी रहने की जानकारी सामने आई है। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना नगर पालिका और कोतवाली पुलिस को दी। इसके बाद अधिकारी-कर्मचारी मौके पर पहुंचे और भवन में मौजूद लोगों को बाहर कराया गया। नगर पालिका ने मौके की स्थिति देखने के बाद पंचनामा तैयार किया और खतरे वाले हिस्से को मशीन की मदद से गिरा दिया। घायल मजदूरों ने बताया कि बिना पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के निर्माण कार्य कराया जा रहा था। निर्माण से जुड़े ठेकेदार रामप्रीत के अनुसार भवन पर काम शुरू करने से पहले ही दुकान संचालक विजय बुधवानी को गार्डर पर ज्यादा भार पड़ने से उसके टूटने की आशंका बताई गई।

संपादकीय

यूएन रुकवा सकेगा युद्ध?

संयुक्त राष्ट्र महासभा के 193 सदस्य देशों की बैठकें आरंभ हो रही हैं। युद्ध, शांति, स्थिरता महासभा के बुनियादी एजेंडे में शामिल हैं। हालांकि युद्ध तभी शांत और समाप्त हो सकते हैं, जब युद्धरत देशों में संवाद और समझौता हो सके। फिलहाल ऐसे आसार न तो रूस-यूक्रेन युद्ध और न ही ईरान युद्ध में दिखाई दे रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की महत्ता, उसके आह्वान, उसकी मध्यस्थता और सामूहिक प्रासंगिकता खंडित, क्षीण हो चुके हैं, लिहाजा युद्ध भडक रहे हैं। आम आदमी मर रहा है या विस्थापन को विवश है अथवा भुखमरी-शरण का शिकार है। महासभा के दौरान अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप और यूक्रेन के आपातकालीन राष्ट्रपति जेलेंस्की के अतिरिक्त राष्ट्रपति ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकातें और संवाद ह्यव्हाइट हाउसह्ल में होने हैं। जेलेंस्की को युद्ध रोकने को ट्रंप बाध्य कर पाएंगे, इसके प्रथमद्रष्ट्या आसार नहीं हैं। ट्रंप ने जेलेंस्की को फोन पर भी अपील की थी कि रूस के तेल ठिकानों, ऊर्जा-संयंत्रों, रिफाइनरियों पर हमले न किए जाएं। उससे वैश्विक संकट गहराता जाएगा। जेलेंस्की नहीं माने और एक साथ 1600 से अधिक ड्रोन दाग कर मॉस्को और आसपास के ऊर्जा-ठिकानों पर ही हमले कराए। यूक्रेन का रूस पर यह सबसे बड़ा और विनाशक हमला था। हालांकि रूस का दावा है कि उसके वायु रक्षा तंत्र ने 1110 ड्रोन हवा में ही मार गिराए, लेकिन 450 से अधिक ड्रोनों के हमले विध्वंसकारी, भस्मकारी, विनाशक साबित हुए। रूस का करीब 40 फीसदी रिफाइनिंग सिस्टम नष्ट हो चुका है। भारत से पेट्रोल, डीजल खरीदने पड़ रहे हैं, जबकि भारत को सबसे अधिक कच्चा तेल रूस ही सप्लाई कर रहा है। अमरीकी पाबंदियों की परवाह नहीं है। राष्ट्रपति ट्रंप का बयान आया है कि अब यह ह्यबेतुका युद्धह्ल रुकना चाहिए, क्योंकि हर महीने 25,000 से ज्यादा लोग और सैनिक मर रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध ह्यबेतुकाह्ल है, तो ईरान में कौन-सा युद्ध जारी है? उस युद्ध को किसने जबरन थोपा था? राष्ट्रपति ट्रंप शेष विश्व को ह्यमूर्खह्ल और ह्यअज्ञानीह्ल न समझें। खौफनाक आंकड़े ये हैं कि साढ़े 4 साल से जारी युद्ध में रूस के करीब 3-4.5 लाख सैनिक हताहत हो चुके हैं। कुछ रपटों में हताहत और घायल सैनिकों की संख्या 10 लाख से अधिक बताई गई है। यह ह्यमानवीय संहारह्ल की स्थिति है। स्वतंत्र और पश्चिमी संस्थाओं के अनुमान के मुताबिक, यूक्रेन के 1-1.5 लाख सैनिक मारे जा चुके हैं। राष्ट्रपति जेलेंस्की अक्सर ये आंकड़े करीब 46,000 से 55,000 के बीच मानते रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्च आयुक्त कार्यालय के मुताबिक, फरवरी, 2022 से जुलाई, 2026 तक यूक्रेन में कमोबेश 16,874 आम नागरिक मारे गए और 51,000 से ज्यादा घायल हुए हैं। दरअसल रूस और यूक्रेन ने आधिकारिक रूप से हताहत सैनिकों और नागरिकों तथा विस्थापित लोगों के डाटा कभी नहीं दिए हैं, लिहाजा विभिन्न संस्थाओं के अनुमान ही मान्य हैं। सबसे खौफनाक, विनाशक, तबाही-बबार्दी के नतीजतन आने वाली सर्दियों में यूरोप और यूक्रेन किस कदर कांपते-ठिठुरते रहेंगे, इसका मानवीय अंदाजा ही लगाया जा सकता है, क्योंकि एक तरफ रूस और दूसरी तरफ सऊदी अरब की पाइपलाइन फिलहाल खंडित अवस्था में हैं और गैस आपूर्ति करने में असहाय, असमर्थ हैं। यूक्रेन की राजधानी कीव और प्रमुख शहरों, स्टील और ऊर्जा के संयंत्रों में 70-90 फीसदी तक की तबाही बताई जा रही है। रूस के अत्यंत विनाशकारी, विध्वंसकारी हमले जारी हैं। दोनों देशों ने मिसाइल-ड्रोन हमले कर सैन्य गोदाम, कैंप, सप्लाई के भंडार, हथियार डिपो, लॉजिस्टिक सेंटर, मॉल और तेल-गैस ठिकानों पर ऐसे हमले किए हैं कि वजूद ही खत्म कर रहे हैं। न जाने इन देशों के पुनर्निर्माण कैसे संभव होंगे? राष्ट्रपति जेलेंस्की किसी खंडहर देश के नेता साबित होना चाहते हैं क्या? रूस सबसे विशालकाय देश है। वहां स्टेट ड्यूमा (लोकसभा के समान) के चुनावों में राष्ट्रपति पुतिन की पार्टी ह्ययूनाइटेड रशियाह्ल को करीब 58 फीसदी वोट मिले हैं और उन्होंने 355 सीटें जीत कर फिर बहुमत हासिल किया है। बहरहाल लगभग सभी यूरोपीय देशों में तेल-गैस के संकट गहराते जा रहे हैं। तेल खत्म होने के कगार पर है। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र, 193 देशों, खासकर राष्ट्रपति ट्रंप और द्विपक्षीय संवाद करने वाले राष्ट्रपतियों से ही आखिरी उम्मीद और अपेक्षा है कि वे युद्ध रुकवाने में अपनी पूरी शक्ति, तमाम प्रभावों को झोंक दें।

अमीर और अमीर, गरीब और गरीब क्यों?

हालांकि मुक्त व्यापार समझौतों के बाद एक नया दौर शुरू हो रहा है और उसके लिए हमें बेहतर तैयारी करनी होगी। असमानता के मुद्दे पर देखें तो भारत में गरीबी घटी है, लेकिन संपत्ति और आय का अंतर बढ़ा है। यह केवल भारत नहीं, बल्कि दुनिया भर की समस्या है। इसका एक प्रमुख कारण लेबर सप्लाई बढ?ा है जिसके चलते मजदूरी नहीं बढ़ी है। हमें समझना होगा कि एआई और नई तकनीकें जीडीपी बढ़ा सकती हैं, लेकिन अगर विकास का लाभ व्यापक रूप से लोगों तक नहीं पहुंचता, तो केवल ऊंची वृद्धि दर पर्याप्त नहीं मानी जा सकती। अमीर और अमीर हो रहे हैं, गरीब और गरीब हो रहे हैं, यह ठीक नहीं है, पर यही भारतीय अर्थव्यवस्था का सच है। हाल ही में चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के जीडीपी के आंकड़े आने के बाद से एक नया विवाद खड़ा हो गया है। जीडीपी की गणना की प्रक्रिया को लेकर कई विशेषज्ञों ने सवाल उठाए हैं। ग्रॉस डोमेस्टिक प्रोडक्ट यानी सकल घरेलू उत्पाद किसी एक साल में देश में पैदा होने वाले सभी सामानों और सेवाओं की कुल वैल्यू को कहते हैं। जीडीपी किसी देश के आर्थिक विकास का सबसे बड़ा पैमाना है। अधिक जीडीपी का मतलब है कि देश की आर्थिक बढ़ोतरी हो रही है।





अगर जीडीपी बढ़ती है तो इसका मतलब है कि अर्थव्यवस्था ज्यादा रोजगार पैदा कर रही है। इसका यह भी मतलब है कि लोगों का जीवन स्तर भी आर्थिक तौर पर समृद्ध हो रहा है। इससे यह भी पता चलता है कि कौनसे क्षेत्र में विकास हो रहा है और कौनसा क्षेत्र आर्थिक तौर पर पिछड़ रहा है। इस साल अप्रैल से जून के बीच भारत की अर्थव्यवस्था 7.8 फीसदी की दर से बढ़ी, जो ब्लूमबर्ग और आरबीआई के अनुमानों से अधिक है। सरकार इसे वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच एक बड़ी उपलब्धि बता रही है, जो ठीक है, हालांकि इन आंकड़ों पर सरकार में ही वित्त सचिव रहे सुभाष चंद्र गर्ग ने सवाल उठाए, जिसने बहस छेड़ दी। फिर कुछ विपक्षी दलों के नेताओं ने भी कहा है कि पिछले साल के जीडीपी आंकड़ों में संशोधन के कारण मौजूदा विकास दर वास्तविकता से अधिक मजबूत दिखाई दे रही है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या भारत की अर्थव्यवस्था उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन कर रही है या फिर जीडीपी के आंकड़ों की तस्वीर उतनी मजबूत नहीं है जितनी दिखाई जा रही है। यह विवाद मुख्य रूप से जीडीपी की तुलना के आधार यानी बेस ईयर डेटा को लेकर है। अगर सरकार कह रही है कि भारत की जीडीपी वृद्धि दर 7.8 फीसदी रही है, तो इसका सीधा अर्थ है कि अप्रैल से जून की मौजूदा तिमाही में भारत का कुल आर्थिक उत्पादन पिछले साल की इसी तिमाही की तुलना में 7.8 फीसदी अधिक रहा। ये तिमाही के आंकड़े दरअसल एक अनुमान हैं। ये ग्रोथ का सटीक आकलन नहीं होता।

ये अनुमान इसलिए जारी होते हैं ताकि उसके हिसाब से बजट बने, पूरे देश में सालभर में हुई कमाई का असली आकलन करने में एक-डेढ़ साल लग जाता है। इस मुद्दे पर सवाल है कि अगर पिछले वर्ष का आधार आंकड़ा बदल गया है, तो नई वृद्धि दर को उसी संदर्भ में समझा जाना चाहिए। दूसरी ओर, सरकार का कहना है कि समय-समय पर आंकड़ों की गणना की पद्धति और आधार वर्ष बदलते रहते हैं, इसलिए संशोधित सिरीज के आधार पर ही तुलना उचित मानी जाती है। यह एक ठोस कारण है। हर सरकार अपने कार्यकाल में जीडीपी की गणना के मैथड और बेस ईयर को अपडेट करती है ताकि अर्थव्यवस्था की वास्तविक तस्वीर बेहतर ढंग से सामने आ सके। ऐसा दुनियाभर में होता है। अगर जीडीपी बढ़ेगी तो ये सभी चीजें भी बेहतर होंगी। लेकिन समस्या यह है कि पिछले 15 साल के दौरान भारत में जीडीपी लगातार बढ़ रही है, प्रति व्यक्ति जीडीपी भी बढ़ी है। इसके बावजूद रोजगार में वैसी बढ़ोतरी नहीं दिखी। और आम श्रमिकों और नियमित मजदूरी पर काम करने वाले लोगों की आय भी उसी अनुपात में नहीं बढ़ी। यह एक रिसर्च और खोज का बिन्दु है। भारत में जितनी भी वृद्धि हुई है, उससे यह साफ दिखाई देता है कि उसमें असमानता की बड़ी भूमिका है। पहले से संपन्न लोगों तक जीडीपी वृद्धि का बड़ा हिस्सा पहुंच रहा है, जिनके पास पहले से पूंजी और संसाधन हैं, लाभ मुख्य रूप से उन्हीं के पास केंद्रित होता जा रहा है। इसके विपरीत, आम जनता, मजदूरों और किसानों तक उस वृद्धि का लाभ उसी अनुपात में नहीं पहुंच रहा। अमीरों के पास धन जाने से उसका लाभ अपने आप सभी तक पहुंच जाने से जुड़ा ह्यट्रिकल-डाउनह्ल सिद्धांत व्यावहारिक रूप से सफल नहीं रहा है।

इसके लिए मजदूरों और किसानों की आय बढ़ाने, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सेवाओं पर अधिक निवेश करना चाहिए। भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए सबसे जरूरी है रोजगार और मजदूरी बढ़ाना, क्योंकि इससे लोगों की खरीद क्षमता और घरेलू मांग बढ़ती है। सरकार को वैश्विक चुनौतियों, जैसे युद्ध और तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बीच आर्थिक विकास और सामाजिक कल्याण में संतुलन भी बनाना पड़ता है। उस व्यवस्था में बदलाव करना होगा जिसमें आर्थिक विकास का सबसे ज्यादा लाभ पहले से संपन्न लोगों को मिलता है। इसके बजाय मजदूरों, वेतनभोगी कर्मचारियों और किसानों की आय बढ़ाने के लिए नियमों और नीतियों में बदलाव किए जाएं। साथ ही सरकार बड़े पूंजीपतियों और अधिक संपन्न वर्ग पर टैक्स लगाकर उस संसाधन का उपयोग बुनियादी सार्वजनिक सेवाओं, जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा पर करे। इन क्षेत्रों में निवेश करने से न केवल बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा होता है, बल्कि अर्थव्यवस्था में एक सकारात्मक मल्टीप्लायर इफेक्ट भी पैदा होगा। इससे लोगों के हाथ में पैसा आता है, मांग बढ़ती है और जीवन स्तर बेहतर होता है। घरेलू स्तर पर मांग बढ़ाने से ही विदेशी निवेश भी बढ़ सकता है। इस समय भारत की अर्थव्यवस्था कई मायनों में नाजुक स्थिति में है और यह बात दुनिया भर के निवेशक भी समझते हैं।

देश के बड़े उद्योगपति खुद पर्याप्त निवेश नहीं कर रहे क्योंकि उन्हें लगता है कि देश के भीतर मांग पर्याप्त नहीं है। अगर हमें अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना है तो सबसे पहले घरेलू मांग बढ़ानी होगी। और मांग तब बढ़ती है जब लोगों के पास रोजगार हो और उनकी आय बढ़े। इसलिए रोजगार और वेतन वृद्धि, दोनों ही न केवल देश के अंदरूनी आर्थिक स्वास्थ्य के लिए, बल्कि वैश्विक निवेशकों के भरोसे के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण हैं। अगर आप व्यापक आर्थिक संकेतकों को देखें, तो विकास दर मजबूत है। राजकोषीय स्थिति अपेक्षाकृत स्थिर है और कॉरपोरेट बैलेंस शीट भी पहले के मुकाबले काफी मजबूत दिखाई देती है। हालांकि मुक्त व्यापार समझौतों के बाद एक नया दौर शुरू हो रहा है और उसके लिए हमें बेहतर तैयारी करनी होगी। असमानता के मुद्दे पर देखें तो भारत में गरीबी घटी है, लेकिन संपत्ति और आय का अंतर बढ़ा है। यह केवल भारत नहीं, बल्कि दुनिया भर की समस्या है। इसका एक प्रमुख कारण लेबर सप्लाई बढ?ा है जिसके चलते मजदूरी नहीं बढ़ी है। हमें समझना होगा कि एआई और नई तकनीकें जीडीपी बढ़ा सकती हैं, लेकिन अगर विकास का लाभ व्यापक रूप से लोगों तक नहीं पहुंचता, तो केवल ऊंची वृद्धि दर पर्याप्त नहीं मानी जा सकती। अमीर और अमीर हो रहे हैं, गरीब और गरीब हो रहे हैं, यह ठीक नहीं है, पर यह ही भारतीय अर्थव्यवस्था का काला सच है। असली विकास तब होगा, जब गरीब और अमीर के बीच आय अंतर बहुत कम हो जाएगा।

राशिफल

मेष राशि :- कार्य लाभ में आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा रुके कार्य बनेंगे।

वृष राशि :- योजना पूर्ण हो, शुभ समाचार से मन प्रसन्न हो, सोचे हुए कार्य अवश्य बनेंगे।

मिथुन राशि :- कार्य व्यवसाय में थकावट बेचैनी कुछ असफलता के साधन अवश्य ही बनेंगे।

कर्क राशि :- दैनिक व्यवसाय गति मंद रहे, असमर्थता का वातावरण बना ही रहेगा।

सिंह राशि :- आलोचना से बचियें, कार्य कुशलता से पूर्ण संतुष्ट तथा संतोष बना ही रहेगा।

कन्या राशि :- भोग ऐश्वर्य में समय बीते, शारीरिक थकावट बेचैनी कार्य में बढ़ेगी, ध्यान रखें।

तुला राशि :- मित्र वर्ग विशेष फलप्रद रहे, आशानुकूल सफलता से संतोष होगा।

वृश्चिक राशि:- मित्र वर्ग विशेष फलप्रद रहे, कार्य में सफलता प्राप्त होगी, रुके कार्य अवश्य बनेंगें।

धनु राशि :- तनाव पूर्ण वातार्लाप चलनी ही रहेगी तथा सुख वर्धक योग अवश्य ही बनेगा।

मकर राशि :- कार्यवृत्ति में सुधार, सामाजिक कार्य में मान प्रतिष्ठा अवश्य ही बनेगा।

कुंभ राशि :- कार्य व्यवसाय गति मंद चोट आदि का भय होगा तथा मानसिक तनाव बनेगा।

मीन राशि :- आशानुकूल सफलता का हर्ष बिगड़े कार्य की योजना अवश्य ही बनेगा।

अनंत चतुर्दशी : विष्णु की पूजा का दिन

अनंत चतुर्दशी का व्रत भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि को किया जाता है। इस व्रत में अनंत के रूप में भगवान श्रीहरि विष्णु की पूजा होती है। अनंत चतुर्दशी के दिन पुरुष दाहिने हाथ में तथा नारियां बांये हाथ में अनंत धारण करती हैं। अनंत कपास या रेशम के धागे से बने होते हैं, जो कुमकुमी रंग में रंगे जाते हैं तथा इनमें चौदह गांठें होती हैं। इन्हीं धागों से अनंत का निर्माण होता है। यह व्यक्तिगत पूजा है, इसका कोई सामाजिक या धार्मिक उत्सव नहीं होता। अग्नि पुराण में इसका विवरण है। चतुर्दशी को दर्भ से बनी श्रीहरि की प्रतिमा, जो कलश के जल में रखी होती है, की पूजा होती है। व्रती को धान के एक प्रस्थ (प्रसर) आटे से रोटियां (पूड़ी) बनानी होती हैं, जिनकी आधी वह ब्राह्मण को दे देता है और शेष अर्धांश स्वयं प्रयोग में लाता है



पौराणिक उल्लेख

अनंत चतुर्दशी का व्रत नदी तट पर किया जाना चाहिए और वहां हरि की कथाएं सुननी चाहिए। हरि से इस प्रकार की प्रार्थना की जाती है- ह्यहे वासुदेव, इस अनंत संसार रूपी महासमुद्र में डूबे हुए लोगों की रक्षा करो तथा उन्हें अनंत के रूप का ध्यान करने में संलग्न करो, अनंत रूप वाले तुम्हें नमस्कार।ह्ल इस मंत्र से हरि की पूजा करके तथा अपने हाथ के ऊपरी भाग में या गले में धागा बांधकर या लटका कर, व्रती अनंत व्रत करता है तथा प्रसन्न होता है। यदि हरि अनंत हैं तो 14 गांठें हरि द्वारा उत्पन्न 14 लोकों की द्योतक हैं। हेमाद्रि में अनंत व्रत का विवरण विशद रूप से आया है। उसमें भगवान श्रीकृष्ण द्वारा युधिष्ठिर से कही गई कौण्डिन्य एवं उसकी स्त्री शीला की गाथा भी आई है। कृष्ण का कथन है कि अनंत उनके रूपों का एक रूप है और वे काल हैं, जिसे अनंत कहा जाता है। अनंत व्रत चंदन, धूप, पुष्प, नैवेद्य के उपचारों के साथ किया जाता है। ऐसा आया है कि यदि यह व्रत 14 वर्षों तक किया जाए, तो व्रती विष्णु लोक की प्राप्ति कर सकता है।

व्रत विधि

इस दिन भगवान विष्णु की कथा होती है। इसमें उदय तिथि ली जाती है। पूर्णिमा का सहयोग होने से इसका बल बढ़ जाता है। यदि मध्याह्न तक चतुर्दशी हो तो ज्यादा अच्छा है। जैसा इस व्रत के नाम से लक्षित होता है कि यह दिन उस अंत न होने वाले सृष्टि के कर्ता निर्गुण ब्रह्मा की भक्ति का दिन है। इस दिन भक्तगण लौकिक कार्यकलापों से मन को हटाकर ईश्वर भक्ति में अनुरक्त हो जाते हैं। इस दिन वेद ग्रंथों का पाठ करके भक्ति की स्मृति का डोरा बांधा जाता है। इस व्रत की पूजा दोपहर में की जाती है। इस दिन व्रती को चाहिए कि प्रातःकाल स्नानादि नित्यकर्मों से निवृत्त होकर कलश की स्थापना करें। कलश पर अष्टदल कमल के समान बने बर्तन में कुश से निर्मित अनंत की स्थापना की जाती है। इसके आगे कुमकुम, केसर या हल्दी से रंगकर बनाया हुआ कच्चे डोरे का चौदह गांठों वाला अनंत भी रखा जाता है। कुश के अनंत की वंदना करके, उसमें भगवान विष्णु का आह्वान तथा ध्यान करके गंध, अक्षत, पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य आदि से पूजन करें। तत्पश्चात अनंत देव का ध्यान करके शुद्ध अनंत को अपनी दाहिनी भुजा पर बांध लें। यह डोरा भगवान विष्णु को प्रसन्न करने वाला तथा अनंत फल देने वाला माना गया है। यह व्रत धन-पुत्रादि की कामना से किया जाता है। इस दिन नए डोरे के अनंत को धारण करके पुराने का त्याग कर देना चाहिए। इस व्रत का पारण ब्राह्मण को दान कर-के करना चाहिए।

कथा

एक बार महाराज युधिष्ठिर ने राजसूय यज्ञ किया। उस समय यज्ञ मंडप का निर्माण सुंदर तो था ही, अद्भुत भी था। वह यज्ञ मंडप इतना मनोरम था कि जल व स्थल की भिन्नता प्रतीत ही नहीं होती थी। जल में स्थल तथा स्थल में जल की भांति प्रतीत होती थी। बहुत सावधानी करने पर भी बहुत से व्यक्ति उस अद्भुत मंडप में धोखा खा चुके थे। एक बार कहीं से टहलते-टहलते दुर्योधन भी उस यज्ञ-मंडप में आ गया और एक तालाब को स्थल समझ उसमें गिर गया। द्रौपदी ने यह देखकर ह्यअंधों की संतान अंधीह्ल कहकर उनका उपहास किया। इससे दुर्योधन चिढ़ गया। यह बात उसके हृदय में बाण के समान लगी। उसके मन में द्वेष उत्पन्न हो गया और उसने पांडवों से बदला लेने की ठान ली। उसके मस्तिष्क में उस अपमान का बदला लेने के लिए विचार उपजने लगे। उसने बदला लेने के लिए पांडवों को द्यूत-क्रीड़ा में हराकर उस अपमान का बदला लेने की सोची। उसने पांडवों को जुए में पराजित कर दिया। पराजित होने पर प्रतिज्ञानुसार पांडवों को बारह वर्ष के लिए वनवास भोगना पड़ा। वन में रहते हुए पांडव अनेक कष्ट सहते रहे।

एक दिन भगवान कृष्ण जब मिलने आए, तब युधिष्ठिर ने उनसे अपना दुःख कहा और दुःख दूर करने का उपाय पूछा। तब श्रीकृष्ण ने कहा- ह्यहे युधिष्ठिर! तुम विधिपूर्वक अनंत भगवान का व्रत करो, इससे तुम्हारा सारा संकट दूर हो जाएगा और तुम्हारा खोया राज्य पुनः प्राप्त हो जाएगा।ह्ल इस संदर्भ में श्रीकृष्ण एक कथा सुनाते हुए बोले- प्राचीन काल में सुमंत नाम का एक नेक तपस्वी ब्राह्मण था। उसकी पत्नी का नाम दीक्षा था। उसके एक परम सुंदरी धर्मपरायण तथा ज्योतिर्मयी कन्या थी, जिसका नाम सुशीला था। सुशीला जब बड़ी हुई तो उसकी माता दीक्षा की मृत्यु हो गई। पत्नी के मरने के बाद सुमंत ने कर्कशा नामक स्त्री से दूसरा विवाह कर लिया। सुशीला का विवाह उस ब्राह्मण ने कौडिन्य ऋषि के साथ कर दिया। विदाई में कुछ देने की बात पर कर्कशा ने दामाद को कुछ ईंटें और पत्थरों के टुकड़े बांधकर दे दिए। कौडिन्य ऋषि दुःखी हो अपनी पत्नी को लेकर अपने आश्रम की ओर चल दिए। परंतु रास्ते में ही रात हो गई। वे नदी तट पर संध्या करने लगे। सुशीला ने देखा वहां पर बहुत-सी स्त्रियां सुंदर वस्त्र धारण कर किसी देवता की पूजा कर रही थीं। सुशीला के पूछने पर उन्होंने विधिपूर्वक अनंत व्रत की महत्ता बताई। सुशीला ने वहीं उस व्रत का अनुष्ठान किया और चौदह गांठों वाला डोरा हाथ में बांधकर ऋषि कौडिन्य के पास आ गई। कौडिन्य ने सुशीला से डोरे के बारे में पूछा तो उसने सारी बात बता दी। उन्होंने डोरे को तोडकर अग्नि में डाल दिया। इससे भगवान अनंत जी का अपमान हुआ। परिणामतः ऋषि कौडिन्य दुःखी रहने लगे। उनकी सारी सम्पत्ति नष्ट हो गई। इस दरिद्रता का उन्होंने अपनी पत्नी से कारण पूछा तो सुशीला ने अनंत भगवान का डोरा जलाने की बात कही। पश्चाताप करते हुए ऋषि कौडिन्य अनंत डोरे की प्राप्ति के लिए वन में चले गए। वन में कई दिनों तक भटकते-भटकते निराश होकर एक दिन भूमि पर गिर पड़े। तब अनंत भगवान प्रकट होकर बोले- ह्यहे कौडिन्य! तुमने मेरा तिरस्कार किया था, उसी से तुम्हें इतना कष्ट भोगना पड़ा। तुम दुःखी हुए। अब तुमने पश्चाताप किया है। मैं तुमसे प्रसन्न हूं। अब तुम घर जाकर विधिपूर्वक अनंत व्रत करो। चौदह वर्ष पर्यन्त व्रत करने से तुम्हारा दुःख दूर हो जाएगा। तुम धन-धान्य से सम्पन्न हो जाओगे।ह्ल कौडिन्य ने वैसा ही किया और उन्हें सारे क्लेशों से मुक्ति मिल गई। श्रीकृष्ण की आज्ञा से युधिष्ठिर ने भी अनंत भगवान का व्रत किया, जिसके प्रभाव से पांडव महाभारत के युद्ध में विजयी हुए तथा चिरकाल तक राज्य करते रहे।

सालों के इंतजार के बाद ऐसे बना शेर मां दुर्गा का दिव्य वाहन

हिंदू धर्म में मां दुर्गा को असीम दिव्य शक्ति और ऊर्जा की सर्वोच्च देवी के रूप में पूजा जाता है। देवी दुर्गा को आदि शक्ति, जगत जननी और ब्रह्मांड की माता माना जाता है। जोकि ज्ञान और बुराई को खत्म करके धर्म की रक्षा करती हैं। भारत में देवी दुर्गा को समर्पित कई मंदिर हैं, जहां पर मां दुर्गा की पूजा होती है। वहीं मां दुर्गा का दिव्य वाहन शेर है, जिस पर मां दुर्गा सवार होती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि शक्तिशाली शेर मां दुर्गा का वाहन कैसे बना। आज हम इस आर्टिकल के जरिए इस पौराणिक कथा के बारे में बताने जा रहे हैं।



भूखा शेर बना मां दुर्गा का वाहन : महर्षि व्यास द्वारा रचित 'श्रीमद् देवीभागवत पुराण' मां दुर्गा की उत्पत्ति और उनके कर्तव्यों को समर्पित है। शेर की मां दुर्गा के वाहन बनने की कहानी तब शुरू होती है, जब देवी पार्वती भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए घोर तपस्या कर रही थीं। कई सालों की तपस्या से प्रसन्न होकर महादेव देवी पार्वती को पत्नी रूप में स्वीकार कर लेते हैं। इसी बीच तपस्या के प्रभाव से देवी पार्वती का रंग काला पड़ गया था। एक दिन भगवान शिव देवी पार्वती को काली कह देते हैं, यह बात देवी पार्वती को अच्छी नहीं लगती है और वह नाराज होकर फिर से तपस्या करने चली जाती हैं।

भगवान शिव का आशीर्वाद : पौराणिक कथाओं के मुताबिक जब मां पार्वती तपस्या कर रही थीं, उस दौरान वहां पर एक शेर घूमते-घूमते आ गया। मां को खाने की इच्छा रखने वाला शेर मां पार्वती का तप पूरा होने का इंतजार करता है। समय बीतता जाता है और शेर तपस्या खत्म होने का इंतजार करता है। जब सालों बीत जाते हैं और शेर का देवी पार्वती का इंतजार करता रहा, तब देवी को खाने की इच्छा के साथ वह देवी पार्वती के पास जाता है, लेकिन देवी के तप के तेज से वह पीछे हट जाता है। कई बार कोशिश करने के बाद भी शेर उनके पास नहीं जा पाता है और कोने में बैठ जाता है। फिर मां पार्वती की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव वहां प्रकट होते हैं और देवी पार्वती से वरदान मांगने को कहते हैं।

मां पार्वती कहती हैं कि उनको पहले की तरह गोरा रंग वापस मिल जाए। महादेव उनकी इच्छा पूरी करती हैं। आशीर्वाद मिलने ही देवी पार्वती नहाने चली जाती हैं। उनसे स्नान करते ही शरीर से एक अन्य देवी प्रकट होती हैं, जिनका नाम कौशिकी पड़ता है। नहाने के समय देवी पार्वती के शरीर से काला रंग निकल जाता है और पहले की तरह उनका रंग साफ हो जाता है। जिस वजह से मां पार्वती का नाम गौरी पड़ जाता है। जब देवी पार्वती की नजर शेर पर पड़ती है, जो उनको खाने के इंतजार में एक कोने में बैठा था। तो मां पार्वती भगवान शिव के पास जाती हैं और उनसे वरदान मांगती हैं कि इस शेर ने उनको खाने के लिए सालों तक इंतजार किया है। जितना तप मैंने किया, उतना ही तब इस शेर ने भी किया है।



जिम्मेदारों के संरक्षण में गांव–गांव तक पहुंचा इलाज का कारोबार घर बैठे गम्भीर बीमारियों का इलाज.....

सिवनी जिले में कथित झोलाछापों का जाल!...



दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी -सिवनी जिले के ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच के बीच एक दूसरा सवाल भी लगातार सामने आ रहा है–क्या गांवों में इलाज करने वाले हर व्यक्ति के पास वैध चिकित्सकीय योग्यता और आवश्यक पंजीयन है? जिले के अलग-अलग ग्रामीण क्षेत्रों से कथित रूप से ऐसे लोगों के सक्रिय होने की चचाएं सामने आती रही हैं, जो खुद को डॉक्टर बताकर मरीजों का इलाज करने, दवाइयां देने और कई तरह की जांच कराने का दावा करते हैं। इनमें से कौन वास्तव में पंजीकृत चिकित्सक है और कौन बिना मान्य योग्यता के चिकित्सा व्यवसाय कर रहा है, इसकी व्यापक और सार्वजनिक जांच की जरूरत दिखाई देती है।

गांव की मजबूरी कहीं किसी के कारोबार का आधार तो नहीं...?

ग्रामीण क्षेत्र में अस्पताल या विशेषज्ञ चिकित्सक तक पहुंच कई बार आसान नहीं होती। ऐसे में मरीज के घर या गांव तक पहुंचने वाला व्यक्ति लोगों को सुविधाजनक विकल्प दिखाई दे सकता है। यही वजह है कि कथित गैर-अर्हताधारी व्यक्तियों की गतिविधियों की निष्पक्ष जांच जरूरी है। यदि कोई व्यक्ति बिना मान्य चिकित्सकीय योग्यता या आवश्यक पंजीयन के मरीजों का निदान और उपचार कर रहा है, तो यह सीधे मरीजों की सुरक्षा से जुड़ा विषय है।

सरकारी रिकॉर्ड में भी उठ चुका है सवाल

सिवनी जिले में गैर-अर्हताधारी डॉक्टरों की गतिविधियों को लेकर मामला नया नहीं है। मध्यप्रदेश विधानसभा में वर्ष 2022 में सिवनी जिले में जनवरी 2018 से गैर-अर्हताधारी डॉक्टरों और उनकी क्लीनिकों की जांच को लेकर सवाल पूछा गया था। सरकार के जवाब में बताया गया था कि विकासखंड स्तर पर गठित टीम ने लखनादौन की एक बंगाली क्लीनिक का निरीक्षण किया और अवैध संचालन पाए जाने पर उसे 18 मई 2022 को सील किया गया।इससे कम से कम इतना स्पष्ट है कि जिले में इस तरह की गतिविधियों को लेकर सरकारी स्तर पर जांच और कार्रवाई पहले भी हो चुकी है।

भीमगढ़ में भी हुई थी कार्रवाई

जनवरी 2024 में सिवनी जिले के भीमगढ़ गांव में प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा एक कथित झोलाछाप डॉक्टर के क्लीनिक को सील करने और दवाइयां जब्त करने की रिपोर्ट सामने आई थी। रिपोर्ट के अनुसार कार्रवाई तहसीलदार और बीएमओ की मौजूदगी में हुई थी। अब सवाल यह है कि इन कार्रवाइयों के बाद जिले के बाकी ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति की नियमित निगरानी कितनी प्रभावी है?

घर बैठे जांच एवं बड़ी से बड़ी बिमारियों का इलाज ...?

कथित तौर पर कुछ क्षेत्रों में घर पहुंचकर जांच कराने की सुविधा दिए जाने की चचाएं भी हैं।ऐसे मामलों में कई सवाल महत्वपूर्ण है जांच कौन कर रहा है?संबंधित व्यक्ति की तकनीकी योग्यता क्या है?जांच किस मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला से जुड़ी है? रिपोर्ट पर किसकी जिम्मेदारी है?मरीज को रिपोर्ट की सत्यता और गुणवत्ता की गारंटी कौन देता है? क्या संबंधित संस्थान या क्लीनिक का आवश्यक पंजीयन है?मध्यप्रदेश सरकार के पोर्टल पर निजी क्लीनिकों के पंजीयन और लाइसेंस से संबंधित व्यवस्था उपलब्ध है।

सिर्फ डॉक्टर ही नहीं, क्लीनिक और जांच केंद्र भी जांच के दायरे में हों

मामले की निष्पक्ष पड़ताल केवल किसी व्यक्ति की डिग्री देखने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए।यदि जिले में अभियान चलाया जाता है तो स्वास्थ्य विभाग को कथित रूप से संचालित क्लीनिक, उपचार स्थल, दवाओं का स्रोत, मरीजों के रिकॉर्ड, जांच सुविधाएं और संबंधित पंजीयन की भी जांच करनी चाहिए।क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट संबंधी केंद्रीय व्यवस्था का उद्देश्य ही अधिकृत चिकित्सा संस्थानों का रिकॉर्ड तैयार करना, न्यूनतम मानक तय करना और गैर-अर्हताधारी व्यक्तियों द्वारा चिकित्सा प्रतिष्ठान चलाने पर रोक लगाने में मदद करना है।सिवनी के हर विकासखंड में हो सकती है जांचसिवनी जिला प्रशासन की आधिकारिक वेबसाइट पर स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत जिला अस्पताल के अलावा धनौरा, छपारा, कुरई, लखनादौन, घंसौर, केवलारी, बरघाट और गोपालगंज सहित विभिन्न सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों की जानकारी उपलब्ध है। साथ ही गांव-गांव झोला लेकर घूम रहे डॉक्टरों पर भी कढ़ाई हो एवं चौक चौराहा में अपनी दुकान खोलकर डॉक्टर का बोर्ड लगाकर कर रहे इलाज ऐसे झोलाछाप डॉक्टरों पर भी कार्रवाई हो।

ऐसे में सवाल उठता है कि

क्या इन सभी क्षेत्रों में नियमित रूप से यह सत्यापन किया जा रहा है कि गांवों में इलाज कर रहे निजी व्यक्तियों के पास आवश्यक योग्यता और पंजीयन है या नहीं? ग्रामीणों के बीच संरक्षण की चचाएं भी जांच का विषय कुछ इलाकों में कथित रूप से ऐसे लोगों को स्थानीय स्तर पर संरक्षण मिलने की चचाएं भी सुनने को मिलती हैं। लेकिन यदि शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं तो इन शिकायतों की निष्पक्ष जांच जरूर होनी चाहिए।



157 गांवों की जिम्मेदारी, छपारा सीएचसी को सिविल अस्पताल बनाने की मांग ने पकड़ा जोर

एक डॉक्टर के कंधों पर 1.23 लाख आबादी का स्वास्थ्य तंत्र

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी – सोचिए, एक तरफ 1.23 लाख की आबादी और दूसरी तरफ स्वास्थ्य सेवाओं का बड़ा जिम्मा संभालने के लिए महज एक डॉक्टर। छपारा ब्लॉक में मौजूदा स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर यही तस्वीर लोगों की चिंता बढ़ा रही है। 2011 की जनगणना के अनुसार ब्लॉक में 1,23,024 लोग निवास करते हैं और 157 गांव इसकी सीमा में आते हैं। दूर-दराज के ग्रामीण और आदिवासी अंचलों से मरीज उपचार की उम्मीद लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र छपारा पहुंचते हैं। लेकिन चिकित्सकों की कमी के चलते मरीजों को इंतजार, रेफरल और कई बार सिवनी-जबलपुर की दौड़ का सामना करना पड़ता है। गरीब परिवारों के लिए यह सफर इलाज के साथ अतिरिक्त खर्च और परेशानी भी लेकर आता है।

ओपीडी से पोस्टमार्टम तक एक ही डॉक्टर

वर्तमान व्यवस्था में बीएमओ डॉ. इनवाती पर ओपीडी, इमरजेंसी, प्रसव, पोस्टमार्टम, टीकाकरण और प्रशासनिक कार्यों का भार होने की बात सामने आ रही है। सवाल यही है कि जब जिम्मेदारियां इतनी हों तो मरीज को पर्याप्त समय और तत्काल उपचार कैसे मिल पाएगा? छपारा क्षेत्र में अनुसूचित जनजाति की आबादी 58,073 और अनुसूचित जाति की आबादी 12,309 बताई गई है। क्षेत्र की जरूरतों को देखते हुए ग्रामीण लंबे समय से स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की मांग कर रहे हैं।

अब सीएचसी नहीं, सिविल अस्पताल की जरूरत

ग्रामीणों की मांग है कि छपारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को सिविल अस्पताल के रूप में उन्नत किया जाए। इसके साथ सर्जन, स्त्री रोग विशेषज्ञ, शिशु रोग विशेषज्ञ सहित पर्याप्त चिकित्सक, नर्सिंग व पैरामेडिकल स्टाफ की नियुक्ति हो। 24 घंटे प्रसव एवं इमरजेंसी सुविधा और ब्लड स्टोरेज यूनिट जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराने की मांग की जा रही है। सवाल सिर्फ अस्पताल की इमारत का नहीं, उस व्यवस्था का है जिसमें 157 गांवों और 1.23 लाख आबादी की उम्मीदें एक डॉक्टर के भरोसे टिकी हों।

कुरई पुलिस ने सुलझाई अंधे कत्ल की गुत्थी

जमीन की रकम के लेनदेन को लेकर वृद्ध की हत्या, आरोपी गिरफ्तार



दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- कुरई थाना पुलिस ने 75 वर्षीय वृद्ध मनीराम मेश्राम की हत्या के मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार हत्या जमीन की बिक्री से मिली रकम के लेनदेन को लेकर हुए विवाद के चलते की गई थी। पुलिस के मुताबिक ग्राम जिरेवाड़ा निवासी द्वारका मेश्राम ने 16 सितंबर को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके पिता मनीराम मेश्राम 10 सितंबर की दोपहर से लापता हैं। परिजनों द्वारा तलाश के बाद भी पता नहीं चलने पर अपहरण की आशंका जताई गई थी। मामले में अपराध क्रमांक 418/2026 के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान 20 सितंबर को ग्राम रमली के जंगल में नालीनुमा स्थान पर प्लास्टिक की बोरी से ढका एक अज्ञात शव बरामद हुआ। मृतक के पुत्र द्वारका मेश्राम और नाती शिवम ने शव की पहचान मनीराम मेश्राम के रूप में की। शव सड़ी-गली अवस्था में होने के कारण फोरेंसिक विशेषज्ञ टीम से पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस के अनुसार परिजनों ने बताया कि मनीराम को आखिरी बार गांव के अखिलेश कावल के साथ देखा गया था। संदेह और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने अखिलेश पिता अशोक कावल (37), निवासी जिरेवाड़ा से पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने जमीन की 13 लाख रुपये में हुई बिक्री की रकम को लेकर मृतक से विवाद होने की बात बताई। पुलिस के अनुसार इसी विवाद में उसने मनीराम की हत्या कर शव को रमली के जंगल में फेंक दिया था। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध धारा 140(3), 103(1) एवं 238 बीएनएस के तहत कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक कृपाल शाह तेकाम, उप निरीक्षक इंजनसिंह मर्सकोले सहित पुलिस टीम की भूमिका रही।

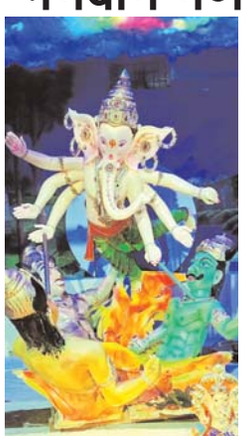
बंडोल निवासी दादूराम सनाड्य के पुत्र हैं नितिन, कक्षा 10वीं के विद्यार्थी

मेरे सपनों का भारत प्रतियोगिता में बंडोल के नितिन सनाड्य ने हासिल किया प्रथम स्थान



दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ह्यमेरे सपनों का भारतह्ण विषय पर आयोजित राष्ट्रीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता में उदय पब्लिक स्कूल के कक्षा 10वीं के विद्यार्थी नितिन सनाड्य ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में नितिन ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा, कल्पनाशीलता और प्रभावी अभिव्यक्ति का परिचय देते हुए निर्णायकों को प्रभावित किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें उत्कृष्टता प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रमाण-पत्र में सेवा, राष्ट्र निर्माण एवं विकसित भारत की भावना पर आधारित विषय में उनके प्रदर्शन की सराहना की गई है। नितिन बंडोल निवासी दादूराम सनाड्य के पुत्र हैं। उनकी इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकगण, परिजनों एवं क्षेत्रवासियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। नितिन की सफलता से उदय पब्लिक स्कूल परिवार में भी खुशी का माहौल है। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि विद्यार्थियों की ऐसी उपलब्धियां अन्य विद्यार्थियों को भी रचनात्मक गतिविधियों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं।

खैरा पलारी की आवास कॉलोनी में विराजित हुई भगवान गणेश की भव्य प्रतिमा



दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी - नगर पलारी की आवास कॉलोनी में गणेश उत्सव के अवसर पर भगवान श्री गणेश जी की भव्य प्रतिमा श्रद्धापूर्वक विराजित की गई है। प्रतिमा स्थापना के साथ ही कॉलोनी में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है। प्रतिदिन श्रद्धालुओं द्वारा भगवान गणेश की विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं आरती की जा रही है। गणेश उत्सव को लेकर कॉलोनीवासियों में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। शाम के समय बड़ी संख्या में श्रद्धालु आरती में शामिल होकर भगवान गणेश का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं।

ग्लेशियर चोटी का सफल आरोहण करने वाले जतिन बंदेवार का जिला कलेक्टर ने किया सम्मानित...



दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी - सिवनी के कन्हीवाड़ा निवासी युवा पर्वतारोही जतिन बंदेवार ने अरुणाचल प्रदेश के माउंट गोरीचेन की 16,460 फीट ऊंचाई वाली ग्लेशियर चोटी का सफल आरोहण कर भारतीय तिरंगा फहराया। जिले को गौरवान्वित करने वाली इस उपलब्धि पर कलेक्टर नेहा मीना ने मंगलवार को जतिन को शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जतिन के पिता संतोष बंदेवार एवं माता शिवकुमारी बंदेवार भी उपस्थित रहे। कलेक्टर मीना ने जतिन की उपलब्धि की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने जतिन से उनकी पर्वतारोहण यात्रा, प्रशिक्षण तथा अभियान के दौरान आई चुनौतियों के संबंध में विस्तार से चर्चा की। साथ ही आगामी पर्वतारोहण अभियानों एवं कार्ययोजना की जानकारी लेते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए हर संभव सहयोग एवं मदद का भरोसा दिलाया। कलेक्टर मीना ने कहा कि जतिन ने कठिन पर्वतीय परिस्थितियों में साहस, अनुशासन और निरंतर मेहनत के साथ यह उपलब्धि हासिल कर सिवनी जिले को गौरवान्वित किया है। उनकी सफलता जिले के अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणादायी है और उन्हें अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। उनकी इस उपलब्धि से उनके परिवार के साथ-साथ सिवनी जिले का नाम भी गौरवान्वित हुआ है। कलेक्टर द्वारा सम्मान एवं सहयोग के आश्वासन पर जतिन और उनके माता-पिता ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आभार जताया।

80 साल बाद भी पुल का इंतजार, गुरेरा के ग्रामीण बोले–अब चुनाव नहीं, समाधान चाहिए

प्रसव पीड़ा के बीच गर्भवती महिला ने पैदल पार की धनई नदी



दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- विकास के दावों के बीच बनाथर ग्राम पंचायत के गुरेरा माल और गुरेरा रैयत गांव के ग्रामीण आज भी धनई नदी पर पुल के अभाव में रोजमर्रा की जिंदगी में जोखिम उठाने को मजबूर हैं। हाल ही में गुरेरा माल निवासी गर्भवती महिला श्रीमती सोमलता मड़ावी को प्रसव के लिए उनके पति, ग्रामीणों और आशा कार्यकर्ता द्वारा पैदल धनई नदी पार कर पांडिया छपारा ले जाना पड़ा। नदी में पानी अधिक होने के कारण जननी एम्बुलेंस भी गांव तक नहीं पहुंच पाती। ग्रामीणों का कहना है कि यह कोई पहली घटना नहीं है। बरसात के दिनों में धनई नदी आवागमन में सबसे बड़ी बाधा बन जाती है। ग्रामीणों ने कई बार शासन-प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और क्षेत्रीय नेताओं के समक्ष पुल निर्माण की मांग रखी, लेकिन अब तक ठोस पहल नहीं होने की बात कही जा रही है।

साप्ताहिक बाजार में दिखती है समस्या

गत दिवस पत्रकारों के दल ने मौके का जायजा लिया। पांडिया छपारा का साप्ताहिक बाजार होने के कारण आधे से एक घंटे के दौरान दर्जनों ग्रामीण नदी पार करते दिखाई दिए। ग्रामीणों के अनुसार दो गांवों में करीब 656 मतदाता हैं। यहां प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूल और आंगनवाड़ी भी संचालित हैं, लेकिन नदी पर पुल नहीं होने से बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और मरीजों को परेशानी उठानी पड़ती है। एक बुजुर्ग ग्रामीण दोपहिया वाहन नदी से निकालते समय थककर हांफते नजर आए। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि यदि नदी पार करते समय किसी बुजुर्ग या बीमार व्यक्ति की तबीयत बिगड़ जाए तो जिम्मेदारी किसकी होगी?

चार महीने टापू बन जाते हैं गांव

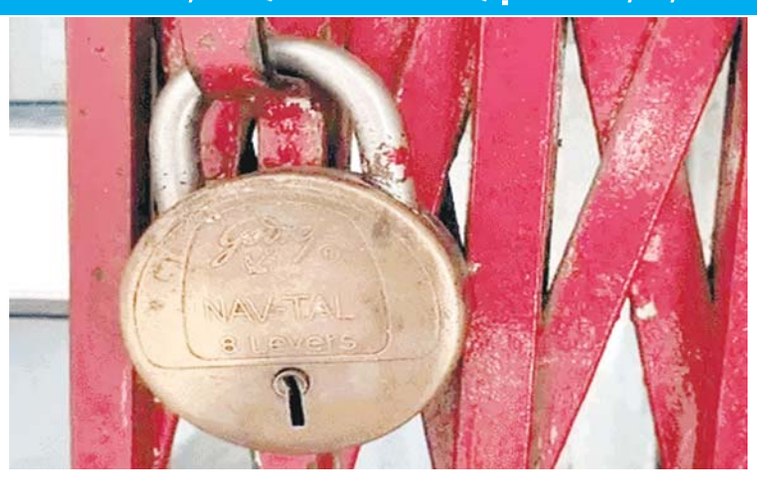
ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के दौरान नदी में पानी बढ़ने पर दोनों गांवों का संपर्क लगभग टूट जाता है और क्षेत्र टापू में तब्दील हो जाता है। अभी करीब 15 दिनों से बारिश नहीं होने के कारण आवागमन संभव है, लेकिन बरसात के चार महीने ग्रामीणों के लिए परेशानी भरे रहते हैं। ग्रामीण अब इस मांग को लेकर आसपास की पंचायतों से भी समर्थन जुटाने और क्षेत्रीय महापंचायत आयोजित करने की तैयारी में हैं। ग्रामीणों ने आगामी चुनावों में शांतिपूर्ण बहिष्कार की बात भी कही है।

पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण क्षेत्र

धनई नदी के समीप ढूटी बांध जलाशय स्थित है, जिसे सिवनी और बालाघाट जिले के बीच रमणीय स्थल बताया जाता है। यहां संक्रांति और महाशिवरात्रि पर मेले का आयोजन होता है तथा पर्यटकों का भी आना-जाना रहता है। ग्रामीणों का कहना है कि पुल बनने से स्थानीय आवागमन के साथ पर्यटन को भी बढ़ावा मिल सकता है। क्षेत्र से करीब 10 किलोमीटर दूर लामता रेलवे मार्ग और स्टेशन भी स्थित है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रदेश में गांव-गांव सड़क और विकास की बात की जा रही है, लेकिन बनाथर पंचायत के अंतर्गत धनई नदी पर पुल का अभाव इन दावों पर सवाल खड़े करता है। अब ग्रामीणों की मांग है कि समस्या को चुनावी आश्वासनों से आगे बढ़ाकर धरातल पर समाधान किया जाए।

5 दिन कैश जमा-निकासी और चेक क्लियरेंस नहीं होंगे

25 सितंबर तक निपटा लें काम, 40 हजार बैंककर्मी हड़ताल पर; 7,000 शाखाएं रहेंगी बंद



भोपाल। मध्य प्रदेश के बैंक ग्राहकों के लिए जरूरी खबर है। अगर आपको बैंक से जुड़े जरूरी काम निपटाने हैं तो अगले तीन दिन यानी बुधवार, गुरुवार और शुक्रवार (23 से 25 सितंबर) के बीच कर लें। इसके बाद शनिवार-रविवार की छुट्टी के साथ 28 से 30 सितंबर तक करीब 40 हजार बैंक अधिकारी-कर्मचारियों की हड़ताल रहेगी। बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहेंगी। बैंककर्मी 5 दिवसीय बैंकिंग वीक लागू करने समेत कई मांगों को लेकर हड़ताल पर जा रहे हैं। इस दौरान कैश जमा और निकासी, चेक क्लियरेंस समेत बैंक की कई जरूरी सेवाएं प्रभावित रहेंगी। ग्राहकों को जरूरी बैंकिंग काम पहले ही निपटा लेने की सलाह दी जा रही है। इससे पहले भी सितंबर में बैंकिंग सेवाएं प्रभावित हुई थीं। 11, 12 और 13 सितंबर को हड़ताल और छुट्टी के चलते बैंकिंग कामकाज पर असर पड़ा था। अब लगातार छुट्टियों और हड़ताल के कारण फिर बैंकिंग सेवाओं में रुकावट आ सकती है।

बैंककर्मियों की मांगों को लेकर यूनियंस मैदान में : बैंककर्मियों की अलग-अलग मांगों को लेकर यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस आंदोलन कर रहा है। वत्रइव ने 5 दिवसीय बैंकिंग सप्ताह के साथ स्केल-वइ लागू करने की भी मांग की है। यूनियंस ने 27 अगस्त को राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन किया था। साथ ही आगामी महीनों में बैंक हड़तालों और आगे चलकर अनिश्चितकालीन राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल का आह्वान किया गया था। यूनियंस का आंदोलन तीन चरणों में आगे बढ़ाया जा रहा है। तीसरे चरण में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने की बात कही गई है। मौजूदा हड़ताल इसी आंदोलन का हिस्सा है।

यूनियन बोली- 5-डे वीक की मांग पेंडिंग : यूनियंस के को-ऑर्डिनेटर वीके शर्मा ने कहा कि 5 दिवसीय बैंकिंग सप्ताह की जायज मांग को सरकार अनावश्यक रूप से लंबित कर रही है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर पहले कई दौर की बैठकें हो चुकी हैं, लेकिन सरकार की ओर से अब तक कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला है। वीके शर्मा के मुताबिक, मांग पर ठोस निर्णय नहीं होने के चलते बैंककर्मी विरोध का रास्ता अपना रहे हैं और आंदोलन आगे बढ़ाया जा रहा है।

28 से 30 सितंबर तक हड़ताल : बैंक अधिकारी और कर्मचारी 28, 29 और 30 सितंबर को हड़ताल पर रहेंगे। इससे पहले 26 और 27 सितंबर को शनिवार और रविवार की छुट्टी रहेगी। ऐसे में 28 से 30 सितंबर तक लगातार तीन दिन बैंकिंग कामकाज प्रभावित रह सकता है। हालांकि डिजिटल बैंकिंग सेवाओं पर हड़ताल का असर सेवा और बैंक के सिस्टम के अनुसार अलग-अलग हो सकता है। वहीं, शाखाओं में कैश जमा-निकासी, चेक क्लियरेंस और अन्य आमने-सामने की बैंकिंग सेवाओं पर असर पड़ने की आशंका है। जिन ग्राहकों को कैश निकालना या जमा करना है, चेक जमा करना है या बैंक शाखा से जुड़ा कोई जरूरी काम करना है, वे 23 से 25 सितंबर के बीच इसे निपटा सकते हैं।

बैतूल में इस बार कर्बला घाट बंद

पुल निर्माण के चलते विसर्जन नहीं होगा, हमलापुर में दो अस्थाई कुंड बने; 400 से ज्यादा जवान संभालेंगे सुरक्षा



बैतूल। बैतूल में अनंत चतुर्दशी पर 25 सितंबर को गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए नगर पालिका ने हमलापुर में मुख्य विसर्जन स्थल तैयार किया है। यहां दो अस्थाई कुंड बनाए गए हैं, जिनकी गहराई 15 फीट से ज्यादा है। इससे बड़ी प्रतिमाओं का विसर्जन भी आसानी से हो सकेगा। नपा ने गणेश समितियों और श्रद्धालुओं से इन्हीं कुंडों में प्रतिमाओं का विसर्जन करने की अपील की है।

हमलापुर में क्रेन और रोशनी की व्यवस्था : नगर पालिका के उपयंत्री पंकज धुर्वे ने बताया कि इस बार बारिश कम होने के कारण नदी में पानी कम है। ऐसे में हमलापुर में अस्थाई कुंड बनाकर विसर्जन की व्यवस्था की गई है। स्थल पर रोशनी के साथ क्रेन की व्यवस्था भी की गई है। बड़ी प्रतिमाओं को कुंड तक पहुंचाने और विसर्जन में क्रेन की मदद ली जाएगी।

कर्बला घाट पर पुल बनने से नहीं होगा विसर्जन : कर्बला घाट पर पुल का निर्माण होने के कारण इस बार वहां प्रतिमाओं का विसर्जन नहीं किया जाएगा। हालांकि नगर पालिका ने एहतियात के तौर पर वहां जगह समतल कराकर लाइट की व्यवस्था की है। फिल्टर प्लांट क्षेत्र में भी जरूरी इंतजाम किए गए हैं। नपा ने लोगों से तय स्थल पर ही विसर्जन करने और व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की है।

विसर्जन जुलूस में 400 से ज्यादा पुलिसकर्मी रहेंगे तैनात : 25 सितंबर को गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान शहर में 400 से ज्यादा पुलिस जवान तैनात रहेंगे। पुलिस ने अतिरिक्त बल के लिए दो कंपनियों की मांग की है। संभावना है कि पचमढ़ी या छिंदवाड़ा से अतिरिक्त पुलिस बल बैतूल पहुंचेगा। सुरक्षा व्यवस्था 25 सितंबर की सुबह से शुरू होकर 26 सितंबर तक जारी रहेगी।

ड्रोन और वीडियोग्राफी से निगरानी : जुलूस मार्ग और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस उड्ढश, ड्रोन और वीडियोग्राफी से निगरानी करेगी। कोतवाली क्षेत्र में सांसद निधि और व्यापारियों के सहयोग से लगाए गए 36 उड्ढश कैमरों से प्रमुख स्थानों पर नजर रखी जाएगी। थाना प्रभारी देवकरण डेहरिया ने बताया कि कोतवाली क्षेत्र में दो ड्रोन भी लगाए जाएंगे। एसपी वीरेंद्र जैन ने सभी एसडीओपी और थाना प्रभारियों को विसर्जन के दौरान लगातार क्षेत्र में मौजूद रहकर व्यवस्था संभालने के निर्देश दिए हैं।

छिंदवाड़ा में अक्टूबर में रसोई गैस की सप्लाई पर संकट

एलपीजी वितरकों का 5 से 26 अक्टूबर तक होगा चरणबद्ध आंदोलन



छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा में अक्टूबर में रसोई गैस की सप्लाई प्रभावित होने के आसार हैं। एलपीजी वितरक संघ ने अपनी 7 सूत्रीय मांगों को लेकर 21 सितंबर को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर चरणबद्ध आंदोलन का ऐलान किया है। आंदोलन 5 अक्टूबर से शुरू होकर 26 अक्टूबर तक चलेगा। वितरकों के आंदोलन से गैस की सप्लाई चेन प्रभावित हुई तो जिले के उपभोक्ताओं को सिलेंडर की उपलब्धता में परेशानी हो सकती है।

5 अक्टूबर से आंदोलन, 26 को दिल्ली में प्रदर्शन : संघ के मुताबिक, 5 अक्टूबर को देशभर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आंदोलन की जानकारी दी जाएगी। 6 अक्टूबर को ह्यनो मनी-नो इंडेंटह्ल के तहत गैस एजेंसियां कोई भुगतान नहीं करेंगी और सामान का उठाव नहीं करेंगी। इसके बाद 26 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। संघ ने मांगें पूरी नहीं होने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी भी दी है।

होम डिलिवरी और प्रशासनिक शुल्क बढ़ाने की मांग : एलपीजी वितरकों ने सरकार के सामने 7 सूत्रीय मांगें रखी हैं। इनमें होम डिलिवरी शुल्क और प्रशासनिक शुल्क में अंतरिम तौर पर 75 रुपए की वृद्धि की मांग भी शामिल है। संघ का कहना है कि इन मांगों को लेकर लंबे समय से सरकार का ध्यान आकर्षित किया जा रहा है, लेकिन समाधान नहीं होने के कारण चरणबद्ध आंदोलन का फैसला लिया गया है।

छिंदवाड़ा में 3.36 लाख एलपीजी उपभोक्ता : आंदोलन का असर छिंदवाड़ा जिले में भी पड़ सकता है। जिले में करीब 3 लाख 36 हजार एलपीजी उपभोक्ता हैं और इनके लिए 32 गैस एजेंसियां संचालित हो रही हैं। इन एजेंसियों के माध्यम से रोजाना करीब 3 हजार सिलेंडर की डिलीवरी की जाती है। ऐसे में आंदोलन के दौरान गैस का उठाव और वितरण प्रभावित होने पर जिले में सिलेंडर की सप्लाई कम हो सकती है। हालांकि वास्तविक असर आंदोलन के दौरान गैस एजेंसियों के कामकाज और सप्लाई व्यवस्था पर निर्भर करेगा।

छिंदवाड़ा के जंगल में हाथी, कैमरों से नजर नहीं आया:पगमार्क और मल से वन विभाग कर रहा ट्रैकिंग

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा जिले में करीब एक महीने से विचरण कर रहा जंगली हाथी अब झिरपा रेंज के जंगलों तक पहुंच गया है। छत्तीसगढ़ से जिले में आया हाथी रविवार को सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में प्रवेश करने के बाद देलाखारी के जंगलों में पहुंचा था। मंगलवार को उसके पगमार्क और मल झिरपा रेंज के रैनीखेड़ा के पास मीराकोटा-कुडंगला के जंगल में मिले हैं। हाथी को प्रत्यक्ष रूप से किसी ने नहीं देखा है, लेकिन मिले साक्ष्यों के आधार पर वन विभाग उसकी दिशा और लोकेशन ट्रैक कर रहा है।

दूधेर नदी के दूसरी ओर मिले पगमार्क : वन विभाग के अनुसार मंगलवार को दूधेर नदी के दूसरी ओर झिरपा रेंज में रैनीखेड़ा के पास हाथी के पगमार्क मिले। यह क्षेत्र सामान्य वन क्षेत्र और सतपुड़ा नेशनल पार्क के देनवा बफर जोन के बीच स्थित है। हाथी देलाखारी रेंज से आगे बढ़ते हुए कुंभादेव, कपूरनाला और बम्हनी होते हुए झिरपा रेंज की ओर पहुंचा है। प्रशिक्षु आईएफएस शशांक भारद्वाज ने इसकी जानकारी दी।

रात में 25 से 30 किमी तक चल रहा हाथी : वन विभाग की टीम पगमार्क और मल के आधार पर हाथी की गतिविधियों पर नजर रख रही है। अधिकारियों के मुताबिक हाथी दिन के समय घने जंगल में छिपा रहता है और रात में करीब 25 से 30 किलोमीटर तक का सफर तय कर रहा है। इसी वजह से उसका प्रत्यक्ष रूप से पता लगाना मुश्किल हो रहा है। झिरपा वन परिक्षेत्र अधिकारी रघुवंश सिंह ने बताया कि हाथी की निगरानी के लिए टीम गठित की गई है। टीम लगातार क्षेत्र में गश्त कर रही है और पगमार्क समेत अन्य साक्ष्यों के आधार पर उसकी दिशा का पता लगाया जा रहा है।

आगे किस दिशा में बढ़ेगा, वन अमले की नजर : वन विभाग की निगरानी के बीच अब हाथी के झिरपा रेंज से आगे बढ़ने की दिशा पर नजर रखी जा रही है। घने जंगल और रात में तेज गति से चलने के कारण वन अमला पगमार्क और अन्य साक्ष्यों के सहारे उसकी लोकेशन ट्रैक कर रहा है।

रायसेन में बिराजे 14 फीट के अनोखे गणपति

स्वरूप में समाए दसों अवतार और अखंड भारत की झांकी, महाआरती में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब



रायसेन। रायसेन शहर में गणेश उत्सव के चलते जगह-जगह आकर्षक प्रतिमाएं और झांकियां सजाई गई हैं। अलग-अलग समितियों ने भगवान गणेश की भव्य प्रतिमाओं के साथ धार्मिक और देशभक्ति की थीम पर झांकियां तैयार की हैं। शाम होते ही बड़ी संख्या में लोग दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। कई जगह सैकड़ों दीप जलाकर महाआरती भी की जा रही है।

गोल्डन सिटी में 14 फीट की प्रतिमा, 10 अवतारों के दर्शन : गोल्डन सिटी गणेश उत्सव समिति ने इस साल भगवान गणेश की 14 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित की है। प्रतिमा में भगवान के 10 अवतारों के स्वरूप दिखाए गए हैं। समिति की ओर से थाली सजाकर महाआरती की गई। इसमें महिलाओं और श्रद्धालुओं ने सैकड़ों दीप जलाकर आरती की। समिति पिछले 5 साल से गणेश उत्सव मना रही है।

तालाब रोड पर अखंड भारत की झांकी : वार्ड नंबर 9 तालाब रोड पर श्री सद्भावना गणेश उत्सव समिति ने 13 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा स्थापित की है। यहां झांकी में अखंड भारत की झलक दिखाई गई है। समिति पिछले 30 साल से गणेश उत्सव का आयोजन कर रही है और हर साल अलग थीम पर प्रतिमा व झांकी तैयार करती है।

अशोक नगर चौराहे पर 15 फीट की प्रतिमा : अशोक नगर चौराहे पर नवशक्ति गणेश उत्सव समिति ने 15 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा स्थापित की है। प्रतिमा के ऊपर श्री राधा-कृष्ण के दर्शन भी कराए जा रहे हैं। समिति अध्यक्ष आदित्य ठाकुर ने बताया कि प्रतिमा को रामलीला मैदान से लाकर यहां स्थापित किया गया है। इस स्थान पर गणेश झांकी का यह दूसरा साल है। मंगलवार रात झांकी स्थल पर बड़ी एलईडी स्क्रीन पर हनुमान हंस फिल्म भी दिखाई गई।

मध्यप्रदेश को टेलीकॉम, सेमीकंडक्टर, जीसीसी और इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

ग्वालियर टेलीकॉम जोन से लेकर मालवा-महाकौशल तक औद्योगिक विस्तार, युवाओं के लिए सृजित होंगे रोजगार के नए अवसर



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश देश में सूचना प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टर, टेलीकॉम और इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण के एक सशक्त केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बेंगलुरु में उद्योगपतियों और प्रमुख निवेशकों से वन-टू-वन संवाद किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवेशकों को आमंत्रित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में उद्योग-व्यापार के लिए अपार संभावनाएं, मजबूत अधोसंरचना, प्रचुर प्राकृतिक संसाधन और उद्योग-हितैषी नीतियां मौजूद हैं। राज्य सरकार हर निवेशक को सुरक्षित वातावरण, सिंगल विंडो सिस्टम से त्वरित अनुमतियां और नीतिगत सहयोग देने के लिए पूरी तरह तत्पर है। बेंगलुरु के तकनीकी इको सिस्टम और मध्यप्रदेश के औद्योगिक आधार के समन्वय से प्रदेश में नवाचार और रोजगार के नए आयाम स्थापित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवेशकों से कहा कि उद्योग की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं के अनुरूप मध्यप्रदेश में सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि वे स्वयं हर रोड शो में निवेशकों के साथ संवाद करते हैं और उनके साथ वरिष्ठ अधिकारी भी रहते हैं, ताकि निवेश से जुड़ी समस्याओं और आवश्यकताओं का तत्काल समाधान किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में पारदर्शी नीतियां लागू हैं और निवेशकों से जुड़े प्रत्येक मुद्दे का तत्परता से निराकरण किया जा रहा है। सरकार का प्रयास है कि निवेशकों को जरूरतों के अनुरूप सुविधाएं और अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योगपतियों के साथ वन-टू-वन संवाद में विशेष रूप से ग्वालियर टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन की विशेषताओं और संभावनाओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार टेलीकॉम उपकरणों के विनिर्माण के साथ-साथ इस क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की नीतियां भविष्योन्मुखी हैं, जो इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण समूहों के विस्तार के लिए वित्तीय एवं गैर-वित्तीय दोनों ही तरह के आकर्षक प्रोत्साहन प्रदान करती हैं।

ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) की स्थापना के लिए थोलोन्स और सीजीआई से संवाद : मुख्यमंत्री डॉ. यादव से संवाद के दौरान आईटी एवं जीसीसी सेक्टर के दिग्गजों ने मध्यप्रदेश में अपनी इकाइयां स्थापित करने को लेकर गहरी रुचि दिखाई। थोलोन्स के चेयरमैन और सीईओ श्री अविनाश वशिष्ठ और सुश्री अंकिता वशिष्ठ ने प्रदेश में 210 करोड़ रुपये के निवेश से जीसीसी यूनिट स्थापित करने के प्रस्ताव को अंतिम रूप देने पर चर्चा की। सीजीआई के वाइस प्रेसिडेंट श्री अतुल अगाशे ने मध्यप्रदेश में जीसीसी निवेश की संभावनाओं को देखते हुए प्रदेश में विस्तार की मंशा जताई।

सेमीकंडक्टर और चिप डिजाइनिंग का प्रमुख केंद्र बनेगा मध्यप्रदेश : मुख्यमंत्री डॉ. यादव से सेमीकंडक्टर और चिप डिजाइनिंग के क्षेत्र में अग्रणी कंपनियों के प्रतिनिधियों ने विस्तृत चर्चा की। असेइक मावेन सिलिकॉन के संस्थापक एवं सीईओ श्री शिवकुमार पी.आर. ने प्रदेश में कुल 100 करोड़ रुपये के निवेश से 'चिप डिजाइन हाउस' स्थापित करने का प्रस्ताव रखा, जिसके प्रथम चरण में 25 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। कोर-आईसी टेक्नोलॉजीज प्रायवेट लिमिटेड के संस्थापक एवं सीईओ श्री पंकज गर्ग ने भी विभिन्न चरणों में कुल 100 करोड़ रुपये के निवेश से चिप डिजाइन सर्विसेज स्थापित करने पर सहमति जताई।

डीपटेक फंडिंग, डेटा सेंटर, स्पेसटेक और सस्टेनेबिलिटी में नए निवेश प्रस्ताव : प्रदेश में स्टार्टअप्स और नई तकनीकों को गति देने के लिए डीपटेक वेंचर कैपिटल फंड 'सीफंड' के श्री नरेंद्र भंडारी ने मध्यप्रदेश के स्टार्टअप्स के लिए लगभग 200 करोड़ रुपये की फंडिंग उपलब्ध कराने की योजना प्रस्तुत की। नाइनस्टार्स इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजीज प्रायवेट लिमिटेड के चेयरमैन एवं सीईओ श्री गोपाल कृष्णन ने मध्यप्रदेश में आधुनिक डेटा सेंटर स्थापित करने पर विमर्श किया। स्पेसटेक के क्षेत्र में गैलेक्सी के सह-संस्थापक श्री रक्षित भट्ट और सुश्री पायल दवे ने अपनी सहभागिता को लेकर संवाद किया। इसके अलावा, मोबिलिटी एवं बाइक शेयरिंग क्षेत्र की प्रमुख कंपनी रैपिडो के सह-संस्थापक श्री पवन गुंटुपल्ली तथा पर्यावरण एवं सस्टेनेबिलिटी क्षेत्र में कार्य कर रही कंपनी डोनाउ कार्बन इंडिया के सीईओ व एमडी श्री वीरेंद्र चौधरी ने भी प्रदेश में अपनी योजनाओं को लेकर चर्चा की।

ड्रोन विनिर्माण और रक्षा तकनीक को मिलेगी नई गति : मुख्यमंत्री डॉ. यादव की भविष्य की तकनीक को ध्यान में रखते हुए ड्रोन विनिर्माण क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ भी महत्वपूर्ण बैठक हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से एयरबाउंड के संस्थापक श्री नमन पुष्प, आइडियाफोर्ज की हेड ऑफ मार्केटिंग सुश्री कुथि अरमनमाडा, नॉटिकल विंग्स के हेड ऑफ बिजनेस डेवलपमेंट श्री रोहन फर्नांडीस, न्यूस्पेस एंड रिसर्च टेक्नोलॉजीज के हेड ऑफ बिजनेस श्री अश्विन शास्त्री और अनमैन्ड सिस्टम्स के संस्थापक एवं सीईओ श्री यशवंत रेड्डी ने प्रदेश में ड्रोन निर्माण और परीक्षण इकोसिस्टम विकसित करने के साथ-साथ निवेश के अवसरों पर विचार-विमर्श किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को एयरबाउंड की ओर से प्रतिनिधियों ने ड्रोन भेंट किया।

प्रमुख टेक एवं कंसल्टिंग कंपनियों के प्रतिनिधियों ने की भेंट : मुख्यमंत्री डॉ. यादव से बैठक के दौरान एचपी एंटरप्राइजेज की ओर से जीसीसी क्षेत्र में कार्यरत श्री जयंत और सुश्री तारा, जेडस्केलर आईटी कंपनी की ओर से श्री श्रीनिधि तथा क्वांटम कंप्यूटिंग और एआई क्षेत्र में कार्यरत कंपनी की ओर से श्री अनुराग ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से फुजित्सु कंसल्टिंग इंडिया प्रा. लि. की ओर से श्री विशाल अगस्त्या, कंट्री लीडर, इंडिया एवं कंसल्टिंग लीड, ग्लोबल डिलीवरी यूनिट तथा इनफिनिटी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की ओर से श्री नितिन मेहता, चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर एवं कंट्री हेड ने भी भेंट की।

प्रदेश के सभी अंचलों में संतुलित औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन का संकल्प : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि राज्य सरकार चुनिंदा शहरों तक सीमित न रहकर इंदौर, उज्जैन, भोपाल के साथ-साथ जबलपुर और ग्वालियर जैसे संभागों में भी औद्योगिक गतिविधियों को समान रूप से संचालित कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के छोटे-बड़े शहरों में भारी उद्योगों के साथ एमएसएमई और लघु-कुटीर उद्योगों की स्थापना पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिससे स्थानीय स्तर पर नागरिकों को सम्मानजनक रोजगार मिल सके। उपस्थित सभी प्रमुख निवेशकों ने मध्यप्रदेश की निवेश अनुकूल नीतियों, पारदर्शी कार्य प्रणाली और नेतृत्व की सक्रियता की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की निवेशकों के साथ वन-टू-वन मीटिंग में अपर मुख्य सचिव श्री नीरज मंडलोई, प्रमुख सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्री एम. सेलवेंद्रन, प्रबंध संचालक एमपीआईडीसी श्री चंद्रमौली शुक्ला सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें।



मैथ्स में हैं एक्सपर्ट तो इन फील्ड में बना सकते हैं करियर

आज हम आपको बताने जा रहे हैं गणित में 8 ऐसे करियर ऑप्शन जो आपको ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

छात्रों के बीच गणित विषय को कठिन विषय समझा जाता है, इसका नाम सुनते ही बहुत से छात्र दूर भागते हैं। परंतु यदि प्रारंभ से ही गणित विषय को सही प्रकार से हैंडिल किया जाए तो आपकी गणित पर अच्छी पकड़ हो सकती है। गणित विषय का अर्थ केवल जोड़ना, घटाना, गुणा और भाग देना नहीं है। इस विषय में उच्च शिक्षा लेकर करियर की अपार संभावनाएं हैं। गणित विषय मनुष्य की ज्ञान की एक उपयोगी तथा आकर्षक शाखा है। इसमें अध्ययन के कई क्षेत्रों को शामिल किया गया है। भारत में प्राचीन काल से ही गणित की एक सुदृढ़ परंपरा रही है। प्राचीन काल के कई गणितज्ञों आर्यभट्ट, वराह मिहिर, महावीराचार्य, ब्रह्मगुप्त, श्रीधराचार्य इत्यादि ने तथा आधुनिक काल में डॉ गणेश प्रसाद, प्रोफेसर बीएन प्रसाद, श्रीनिवास रामानुजन इत्यादि ने गणित की सुदृढ़ नींव रखी है।

इकोनॉमिस्ट

एक इकोनॉमिस्ट आर्थिक रुझानों का अन्वेषण करके मूल्यांकन करता है। भविष्य को लेकर पूर्वानुमान जारी करता है। वह विभिन्न विषयों जैसे महंगाई, कर, ब्याज दर, रोजगार का स्तर आदि का डेटा संग्रह करता है। उस पर अनुसंधान करता है और विश्लेषण करता है। अर्थशास्त्री बनने के लिए गणित विषय को जरूरी माना जाता है। एक अर्थशास्त्री बनने के लिए अर्थशास्त्र में बैचलर डिग्री होना और गणित पर अच्छी पकड़ होना आवश्यक है। इसके बाद अर्थशास्त्र, इकोमेट्रिक्स, ऐप्लाइड इकोनॉमिक्स में पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री होना चाहिए।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर

सॉफ्टवेर इंजीनियरिंग के छात्रों के करियर की नीव शुरू ही गणित के ज्ञान से होती है। सॉफ्टवेयर इंजीनियरों का काम सॉफ्टवेयर डिजाइन करना और उसे डेवलप करना होता है। इस काम में छात्रों को कम्यूटर साइंस के साथ-साथ मैथ्स की थ्योरी और उनके सिद्धांतों का प्रयोग करना पड़ता है। इस क्षेत्र में एक्सपर्ट छात्रों के लिए बहुत अच्छे विकल्प मौजूद है तथा अगले 10 वर्षों में इस क्षेत्र में काफी संभावनाएं आने वाली हैं जो छात्रों के हित में मददगार साबित होंगे।

स्टैटिस्टिक्स

गणित पर जिनको महारत हासिल है उनके लिए स्टैटिस्टिक्स में कैरियर बनाना बहुत अच्छा विकल्प है। सांख्यिकीविद को डाटा का विश्लेषण करना, परिणामों को पाइ चार्ट्स, बार ग्राफ, टेबल के रूप में प्रस्तुत करने का काम करना होता है। हेल्थ केयर, शिक्षा सहित कई क्षेत्रों में सांख्यिकीविद की काफी मांग होती है। सांख्यिकीविद बनने के लिए आपके पास मैथमेटिक्स स्टैटिस्टिक्स में स्नातक की डिग्री या फिर स्टैटिस्टिक्स में पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री होनी चाहिए।

चार्टर्ड एकाउंटेंट

चार्टर्ड एकाउंटेंट बनने का पहला रूल ही गणित में दक्ष होना है। क्योंकि चार्टर्ड एकाउंटेंट यानि कि सीए का पूरा काम एकाउंटिंग, ऑडिटिंग और टैक्सेशन से जुड़ा होता है। अर्थव्यवस्था में तेजी से वृद्धि के चलते फाइनेंस और एकाउंट से जुड़े क्षेत्रों में करियर के काफी स्कोप जुड़ते जा रहे हैं जो गणित में रूचि रखने वाले छात्रों के लिए एक अच्छा करियर विकल्प का मार्ग है।

ऑपरेशन रिसर्च एनालिस्ट

इससे जुड़े काम को एप्लाइड मैथ्स और फॉर्मल साइंस की एक शाखा के रूप में ही समझा जाता है। इसमें आधुनिक लॉजिकल विधियों जैसे की स्टैटिस्टिकल एनालिसिस और मैथमेटिकल ऑप्टिमाइजेशन का प्रयोग किया जाता है। ऑपरेशन रिसर्च एनालिस्ट इन्हीं आधुनिक विधियों कि मदद से मैनेजर को सही निर्णय लेने और समस्याओं के समाधान के लिए सुझाव प्रदान करते है।

बैंकिंग

अगर आपकी गणित में अच्छी पकड़ है तो आप बैंकिंग क्षेत्र में आप एकाउंटेंट, कस्टमर सर्विस, फ्रंट डेस्क, कैश हैंडलिंग, एकाउंट ओपनिंग, करंट एकाउंट, सेविंग एकाउंट, लोन प्रोसेसिंग ऑफिसर, सेल्स एग्जीक्यूटिव, रिकवरी ऑफिसर के प्रोफाइल्स के लिए भी कोशिश कर अपना भविष्य बना सकते है क्यूंकि इन सभी में मैथमेटिकल स्किल्स का होना जरूरी है।

मैथमेटिशियन

अगर आप मैथ को दिल से प्यार करते हैं और इसमें सबसे ज्यादा माहिर हैं, तो मैथमेटिशियन बनना आपके लिए सबसे बेस्ट होगा। यह ऐसे प्रोफेशनल्स होते हैं जो मैथ्स के बुनियादी क्षेत्र का अध्ययन या रिसर्च संबंधी कार्य करते हैं। इसके अलावा ये लॉजिक, ट्रांसफार्मेशन, नंबर आदि समस्याओं का निर्धारण करते हैं। इस क्षेत्र में भी मैथ्स का ज्ञान होना बहुत जरूरी है तथा इस क्षेत्र में छात्र अच्छा मुकाम हासिल कर सकते हैं।

कम्प्यूटर सिस्टम एनालिस्ट

कम्प्यूटर सिस्टम एनालिस्ट आईटी टूल्स का उपयोग करते हुए किसी भी एंटरप्राइजेज को लक्ष्य पूरा करने में मदद पहुंचाते हैं। यदि आपको गणित का ज्ञान नहीं तो आप आगे नहीं बढ़ सकते और इसी के विपरीत यदि आपका गणित के प्रति रुझान है तो आप आसानी से अपने काम को पूरा कर सकते हैं। ज्यादातर सिस्टम एनालिस्ट अपना काम कम्प्यूटर और सॉफ्टवेयर के जरिए करते हैं तथा इसे ठीक तरह से समझने के लिए गणित पहली नींव है।



बदलाव के लिए करें खुद को तैयार

नौकरी के दौरान अक्सर एक जैसा काम करते हुए हम ऐसी स्थिति में आ जाते हैं, जिसमें जरा-सा बदलाव भी हमें असहज कर देता है। नौकरी के दौरान अक्सर एक जैसा काम करते हुए हम ऐसी स्थिति में आ जाते हैं, जिसमें जरा-सा बदलाव भी हमें असहज कर देता है। लगातार सुविधापूर्ण स्थिति में आत्ममुग्ध रहना एक तरह से 'असुविधा'' को ही दावत देना है। अगर आप भी कंफर्ट जोन में खुद को 'कंफर्टेबल' मानकर चल रहे हैं, तो वक्त रहते संभल जाएं और ऐसा करके ही आप खुद को हर परिस्थिति में कॉन्फिडेंट रख सकेंगे।

सदाशिव पढ़ाई में अच्छे हैं। दिखने में समझदार। नौकरी जल्द शुरू कर दी थी। कुछ ही साल में अपनी पहचान भी बना ली और एक वरिष्ठ अधिकारी के लिए अलग से काम करके उनका विश्वास भी हासिल कर लिया। इसका उन्हें फायदा भी मिलता रहा। पद और प्रतिष्ठा तो मिली ही, कई बार विदेश जाने का अवसर भी मिला। मगर कई साल ऐसे ही बीतने के कारण सदाशिव आत्ममुग्धता के शिकार होते चले गए। प्रभावशाली अधिकारी का संरक्षण मिला होने के कारण वे खुद को बेहद सुरक्षित महसूस करने लगे। इस बीच उन्हें कई प्रोजेक्ट मिले, पर भरपूर अवसर मिलने के बावजूद किसी में खास प्रभाव छोड़ न पाने के कारण अंततः वे अपने मूल विभाग में ही बने रहे। यहीं उनसे चूक होती चली गई। अपने मूल विभाग के बॉस से उनकी ट्यूनिंग बनने और प्रगाढ़ होने के बजाय बिगड़ती चली गई लेकिन आत्ममुग्धता और उच्चाधिकारी की शह के कारण उन्होंने इसकी ज्यादा परवाह नहीं की। विभागीय बॉस के उपेक्षापूर्ण नजरिये से ठेस लगने के बावजूद उनका स्वाभिमान नहीं जागा और वे निश्चिंतता के साथ टाइम पास करते रहे। इतना ही नहीं, सोशल साइट्स पर भी वे खूब दिखते और अपनी बेतुकी टिप्पणियों पर खुद ही खुश हो लेते। कुछ समय बाद स्थितियां करवट लेने लगीं। प्रभावशाली अधिकारी का प्रभाव जाता रहा और एक समय ऐसा भी आया, जब उनकी जगह कंपनी में कोई और आ गया। अब सदाशिव को सचेत हो जाना चाहिए था, पर ऐसा हुआ नहीं। उनका रवैया जस का तस बना रहा। वे चाहते, तो अपने विश्वासी अधिकारी के रहते किसी और विभाग या केंद्र या प्रोजेक्ट में अच्छे पद पर शिफ्ट हो सकते थे लेकिन सुविधाजीवी और एकरस जीवन के आदी हो चुके सदाशिव ने ऐसी कोई पहल नहीं की। एक दिन जब उन्हें कुछ गलतियां बताते हुए संस्थान से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया, तब उन्हें एहसास हुआ लेकिन तब उनके पास संभलने और सुधरने का मौका नहीं था।

भंवर है कंफर्ट जोन

सदाशिव की सच्ची कहानी महज एक उदाहरण है। आपको अपने संस्थान या दूसरी संस्थाओं, विभागों में ऐसे कई लोग मिल जाएंगे, जो कंफर्ट जोन में समय बिताते हुए खुश दिखेंगे। कई लोग यह भी कहते मिल जाएंगे कि अरे भाई, नौकरी तो सुरक्षित है ही, फिर काम की टेंशन में क्यों परेशान रहें! दरअसल, ऐसे लोग यह नहीं सोचते कि इस प्रकार का रवैया रखकर वे खुद के नुकसान की ही नींव रख रहे हैं। स्थितियां हमेशा एक-सी नहीं रहतीं। जो लोग काम से जी चुराते हैं, नया सीखने-जानने में दिलचस्पी नहीं रखते, कभी पहल करके कोई काम नहीं करते, कोई काम कहने पर समाधान के बजाय तमाम तरह की समस्याएं ही गिनाने बैठ जाते हैं, टीम मेंबर्स से भी जिन्हें ढेरों शिकायतें होती हैं, सही मायने में उनका करियर हमेशा दांव पर लगा होता है। ऐसे लोगों को जब कभी कोई काम सौंपा जाता है, तो वे उसमें इतना विलंब कर देते हैं या फिर उसे इतना उलझा देते हैं कि बॉस को आगे उन्हें काम न देने के बारे में सोचना पड़ जाता है। ऐसे लोग अपनी इस कथित रणनीति पर भले ही खुश होते हों पर जरा सोचें, क्या वह बॉस कभी उनकी प्रशंसा-अनुशंसा करेगा और जब कभी डिमोश न कर दिया गया या इंक्रिमेंट रोक लिया गया या फिर छंटनी की स्थिति में उनका नाम ही आगे बढ़ा दिया गया, तो फिर क्या उन्हें संस्थान और बॉस की आलोचना का अधिकार होना चाहिए

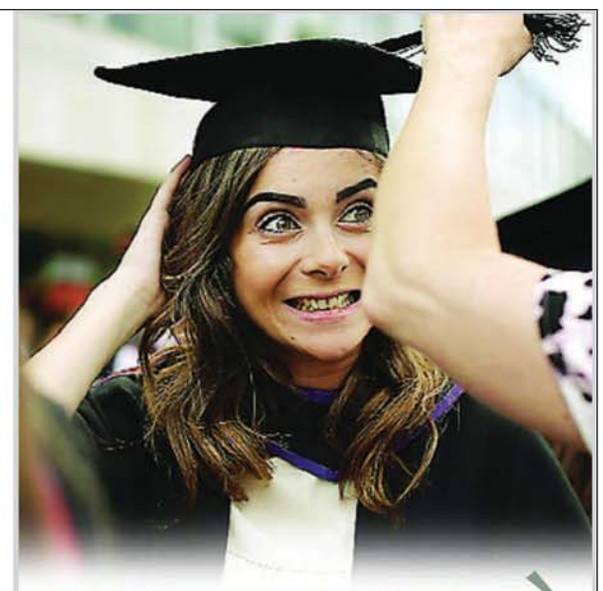


उपयोगिता करें साबित

आप निजी कंपनी में काम कर रहे हों या फिर सरकारी सेवा में हों, छोटे पद पर हों या बड़े पद पर, अगर आप अपने पद की जरूरतों के अनुसार खुद की उपयोगिता साबित करने का प्रयास नहीं करते, तो एक-न-एक दिन आपको जरूर नुकसान हो सकता है। अगर आप समय रहते नहीं चेतते, तो फिर आप किसी को दोष भी नहीं दे सकते। आपको कोई भी जिम्मेदारी दी जाती है, उसे उत्साह के साथ पूरा करने का प्रयास करें। अगर आपको लगता है कि उसमें बॉस से और समझने की या किसी सहयोगी की मदद लेने की जरूरत है, तो विनम्रता के साथ सहयोग लें। आपके प्रयास की गंभीरता स्पष्ट नजर आनी चाहिए। अगर आप छोटे-से-छोटे काम को भी सतर्कता के साथ बहुत अच्छी तरह पूरा करते हैं, तो निश्चित रूप से इससे आपकी छवि बेहतर होगी।

हर दिन हो नया

अगर आप एकरस जीवन से बचना और खुश रहना चाहते हैं, तो अपने काम को एंजॉय करना होगा। निष्ठा ईमानदारी से काम करेंगे, तो ज्यादा कुछ मिले-न मिले, भरपूर सुकून जरूर मिलेगा। यह आपका सबसे बड़ा रिवॉर्ड होगा। इसके अलावा गलतियों से सबक लेने, कमियों को दूर करने और हमेशा कुछ नया सीखने की ललक रखेंगे, तो आपके आत्मविश्वास का स्तर ऊंचा रहेगा और आप मुश्किल से मुश्किल काम को भी उत्साह और हौसले से कर सकेंगे। इस राह पर चलकर तरक्की की सीढ़ियां भी चढ़ते जाएंगे।



इस तरह कर सकते हैं ग्रेजुएशन के बाद अमेरिका में जॉब

हाल ही में ग्रेजुएशन करने वालों के लिए अमेरिका में काम करने के लिए दो ऑप्शन हैं : ऑप्शनल प्रेक्टिकल ट्रेनिंग (ओपीटी) तथा एच1बी वीसा। ओपीटी ऐसे ताजा ग्रेजुएट्स के लिए एक कार्यक्रम है, जो अपनी पढ़ाई की फील्ड में कार्य अनुभव पाना चाहते हैं। इसके लिए दो शर्तें पूरी करना जरूरी है : पहली यह कि आपकी ओपीटी जॉब का सीधा संबंध आपकी डिग्री से होना चाहिए। मसलन, यदि आपने इलेक्ट्रिकल इंजीनियर के रूप में डिग्री ली है, तो आप शेफ के रूप में नौकरी नहीं कर सकते। दूसरी शर्त यह है कि आपने जहां से डिग्री प्राप्त की है, वहां का कोई अधिकारी ओपीटी प्रोग्राम के लिए आपका नाम प्रस्तावित करे। इसलिए यह जरूरी है कि आप जहां से पढ़ाई कर रहे हैं, उस संस्थान के संपर्क में रहें और उससे अच्छे संबंध रखें। आम तौर पर ओपीटी 1 साल के लिए ही होता है। मगर यदि आपने साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग या गणित में डिग्री ली है, तो आप ओपीटी को अतिरिक्त 17 महीनों के लिए बढ़वा सकते हैं। एच1बी वीसा ऐसे लोगों के लिए है, जो किसी स्पेशिएलिटी ऑक्युपेशन में काम करते हैं। यह एक पिटिशन-बेस्ड वीसा है, यानी आपकी ओर से आपकी कंपनी इसके लिए यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (यूएससीआईएस) के समक्ष आवेदन करेगी। एच1बी वीसा प्राप्त करने के लिए आपको किसी यूएस एम्बेसी या कॉन्सुलेट में इंटरव्यू के लिए आना पड़ेगा। एच1बी वीसा पर आप अमेरिका में 3 साल तक काम कर सकते हैं। इसकी अवधि बढ़वाने के विकल्प भी हैं मगर कुल मिलाकर आप एच1बी वीसा पर अमेरिका में अधिकतम 6 वर्ष तक ही काम कर सकते हैं।





उत्साह और जुनून के साथ भरें देशभक्ति की उड़ान

भारतीय वायु सेना में करियर बनाने के लिए ऊर्जावान, उत्साही युवाओं की हमेशा मांग रहती है। क्या आप इस प्रोफाइल में फिट बैठते हैं। एयर फोर्स, यानी वायु सेना में करियर को प्रतिष्ठित माना जाता है और युवाओं में यह खासा लोकप्रिय भी है। इस फील्ड में यदि आप करियर बनाते हैं, तो आपका नाता देश सेवा, नवीनतम टेक्नोलॉजी और उत्कृष्ट शारीरिक मानसिक कौशल से होगा।

भारतीय वायु सेना को ऐसे युवाओं की जरूरत है, जो ऊर्जावान हों, पैशनेट हों, उत्साही हों और जो अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हों। मगर ध्यान रहे, एयर फोर्स का हिस्सा होने में खासे परिश्रम की जरूरत होती है। इसकी चयन प्रक्रिया बहुत कड़ी है। इसमें प्रेक्टिकल टेस्ट, रिटन टेस्ट, फिजिकल तथा मेडिकल टेस्ट, सायकोलॉजिकल टेस्ट, इंटरव्यू, ग्रुप टास्क आदि शामिल होते हैं।

कैसे हों शामिल

भारतीय वायु सेना में शामिल होने के लिए आपको राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) की प्रवेश परीक्षा में बैठना होगा। यदि आपकी उम्र साढ़े 16 साल से 19 साल है, आप भारतीय नागरिक हैं और आपने फिजिक्स तथा मैथ्स विषयों के साथ 12वीं पास की है, तो आप इस परीक्षा में बैठ सकते हैं। चयन के बाद उम्मीदवारों को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में 3 साल की गहन ट्रेनिंग दी जाती है। इसकी समाप्ति पर एयर फोर्स अकादमी में स्पेशलाइज्ड ट्रेनिंग होती है। ग्रेजुएट भी एयर फोर्स का हिस्सा बन सकते हैं। आरंभिक चयन के बाद शॉर्ट-लिस्ट किए गए उम्मीदवारों को एयर फोर्स ट्रेनिंग संस्थान में भेजा जाता है।

कौन-कौन सी ब्रांच

एयर फोर्स में करियर के अवसरों को मोटे तौर पर तीन श्रेणियों में बांटा जा सकता है : फ्लाइंग ब्रांच, टेक्निकल ब्रांच तथा ग्राउंड ड्यूटी ब्रांच।

फ्लाइंग ब्रांच

इस ब्रांच में विभिन्न श्रेणियों के पायलटों का चयन कर उन्हें प्रशिक्षित किया जाता है। इस ब्रांच में आकर आपको उड़ान भरने के भरपूर मौके मिलेंगे। इसमें हैलिकॉप्टर पायलट, फाइटर पायलट तथा ट्रांसपोर्ट पायलट के रूप में ग्रेजुएट्स तथा पोस्ट ग्रेजुएट्स के लिए अनेक अवसर हैं। पायलट ट्रेनिंग हैदराबाद से 43 किलोमीटर दूर डंडीगल स्थित एयर फोर्स एकेडमी में दी जाती है। इस ब्रांच में शामिल होने के बाद आपको आपके डेजिग्जनेशन, ट्रेनिंग व अनुभव के आधार पर विभिन्न मिशनों का हिस्सा बनाया जाएगा।

टेक्निकल ब्रांच

एयर फोर्स की टेक्निकल ब्रांच अत्याधुनिक विमानों तथा शस्त्रों के सही संचालन को सुनिश्चित करती है। यह विमानों के मेंटेनेंस तथा सर्विसिंग और एयर फोर्स स्टेशन पर कम्युनिकेशन तथा सिग्नल से संबंधित कार्यों को करने के लिए क्रमशः मैकेनिकल तथा इलेक्ट्रॉनिक्स विभागों से एयरोनॉटिकल इंजीनियर्स को नियुक्त करती है।

ग्राउंड ड्यूटी ब्रांच

यह ब्रांच मानव तथा अन्य संसाधनों का प्रबंधन कर वायु सेना का संचालन करती है। दरअसल यह एक ब्रांच न होकर इसमें अनेक ब्रांच समाहित हैं, जैसे : एडमिनिस्ट्रेशन ब्रांच, जिसके अधिकारी समस्त संसाधनों के कुशल प्रबंधन को सुनिश्चित करते हैं। इसके कुछ अधिकारी एयर ट्रैफिक कंट्रोलर व फ्लाइट कंट्रोलर के रूप में भी काम करते हैं। इसी प्रकार अकाउंट्स ब्रांच में अकाउंट्स संबंधी तमाम काम किए जाते हैं। लॉजिस्टिक्स ब्रांच के अधिकारियों को कपड़ों से लेकर विमानों के पुर्जों तक तमाम तरह के सामान का प्रबंधन करना होता है। एजुकेशन ब्रांच के अधिकारी भविष्य के वायु सैनिकों को अच्छी से अच्छी शिक्षा तथा प्रशिक्षण सुनिश्चित करते हैं। मीटियॉरोलॉजी ब्रांच के अधिकारी उड़ान भर रहे पायलटों को गाइड कर उनकी उड़ान सुरक्षित करने में मदद करते हैं।

प्याज के दाम 60 रुपये किलो तक पहुंचे, बफर स्टॉक से आपूर्ति शुरू



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। लगातार महंगी हो रही प्याज ने आम लोगों की रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। प्याज के दाम में लगातार बढ़ोतरी के चलते कई बाजारों में इसके खुदरा भाव 60 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गए हैं। बढ़ती कीमतों से घरेलू बजट पर दबाव बढ़ गया है। कीमतों को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने अपने बफर स्टॉक से प्याज निकालकर मंडियों में भेजना शुरू कर दिया है। इसके बावजूद खुदरा बाजार में प्याज की कीमतों में अभी नरमी के स्पष्ट संकेत नहीं दिखाई दे रहे हैं। सरकार के बफर स्टॉक से मंडियों तक पहुंचाई जा रही प्याज की कीमत करीब 35 रुपये प्रति किलो बताई जा रही है। इसके बावजूद यही प्याज खुदरा बाजार में 55 से 60 रुपये प्रति किलो तक पहुंच रही है। इससे मंडी से लेकर फुटकर बाजार तक कीमतों में अंतर को लेकर सवाल उठ रहे हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार पिछले वर्ष प्याज का खुदरा भाव करीब 27.71 रुपये प्रति किलो था, जबकि अब यह बढ़कर करीब 55 रुपये प्रति किलो हो गया है। इसी अवधि में प्याज का औसत थोक भाव करीब 45.65 रुपये प्रति किलो रहा। प्याज की मौजूदा कीमतों पर पुराने स्टॉक का दबाव भी बताया जा रहा है। किसान सामान्य तौर पर प्याज की फसल दो मौसम में लेते हैं। इस समय बाजार में मुख्य रूप से रबी सीजन में तैयार हुआ पुराना प्याज पहुंच रहा है। खरीफ सीजन में प्याज की बोनी में देरी होने के कारण नई फसल की बाजार में आवक में समय लग सकता है। ऐसे में नई प्याज की आपूर्ति शुरू होने तक पुराने स्टॉक पर मांग का दबाव बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। देश के कई राज्यों में प्याज का उत्पादन होता है, लेकिन महाराष्ट्र इसका प्रमुख उत्पादक राज्य है। नासिक की मंडी देश के प्रमुख प्याज बाजारों में शामिल है और यहां के भाव का असर दूसरे बाजारों पर भी पड़ता है। महाराष्ट्र में मौसम की स्थिति का असर नई फसल पर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। बताया गया है कि नासिक क्षेत्र में प्याज की बोनी करीब 15 दिन देरी से हुई है और अब तक लगभग 60 प्रतिशत कृषि भूमि पर ही बोनी हो सकी है। इससे नई प्याज की आवक में और देरी हो सकती है। नई फसल की आवक में देरी होने पर बाजार में उपलब्ध पुराने स्टॉक पर दबाव बढ़ सकता है। कारोबारियों के अनुसार आपूर्ति और मांग के बीच संतुलन बिगड़ने की स्थिति में कीमतों में और तेजी आ सकती है। हालांकि सरकार बफर स्टॉक के जरिए बाजार में प्याज की आपूर्ति बढ़ाकर कीमतों पर नियंत्रण की कोशिश कर रही है। बफर स्टॉक की प्याज कम कीमत पर मंडियों तक पहुंचाए जाने के बावजूद खुदरा बाजार में इसका पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचने का मुद्दा भी सामने आ रहा है। बाजार में प्याज की कीमतों में तेजी को लेकर व्यापारिक स्तर पर स्टॉकिंग के आरोप भी लगाए जा रहे हैं। आरोप है कि कुछ व्यापारियों ने अधिक मुनाफे की उम्मीद में बड़ी मात्रा में प्याज का भंडारण किया है। इससे बाजार में उपलब्ध प्याज की मात्रा कम दिखाई देने और कीमतों पर दबाव बढ़ने की स्थिति बन सकती है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और वास्तविक स्थिति का पता जांच तथा बाजार निगरानी के बाद ही चल सकेगा। कारोबार से जुड़े लोगों का कहना है कि प्याज की कीमतों में तेजी के पीछे केवल उत्पादन और आवक ही नहीं, बल्कि बाजार की धारणा भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मांग बढ़ने और भविष्य में कीमतें और बढ़ने की आशंका से व्यापारी तथा उपभोक्ता अधिक खरीदारी करते हैं तो इसका असर कीमतों पर पड़ सकता है। ऐसे में नई फसल की समय पर आवक, बफर स्टॉक की प्रभावी आपूर्ति और बाजार में जमाखोरी पर निगरानी प्याज की कीमतों को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण हो सकती है।

195 में से 88 शासकीय स्कूलों में ही शुरू हो सकीं आईसीटी लैब



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। शासकीय शालाओं को डिजिटल शिक्षा से जोड़ने और विद्यार्थियों में सूचना तकनीकी के प्रति रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू की गई आईसीटी लैब योजना की रफ्तार जिले में धीमी बनी हुई है। जिले में आईसीटी लैब स्थापित करने के लिए 195 शासकीय हाई और हायर सेकेंडरी स्कूलों का चयन किया गया था, लेकिन तीन साल बाद भी इनमें से केवल 88 स्कूलों में ही आईसीटी लैब शुरू हो सकी हैं। वहीं 108 शासकीय शालाएं अब भी लैब की सुविधा से वंचित हैं। योजना के तहत चयनित शालाओं में आईटी से संबंधित पाठ्यक्रम को शामिल कर विद्यार्थियों को इसकी पढ़ाई कराई जा रही है। हालांकि कई स्कूलों में जरूरी अधोसंरचना उपलब्ध नहीं होने के कारण विद्यार्थियों को आईटी का व्यवहारिक ज्ञान हासिल करने में कठिनाई हो रही है। कंप्यूटर आधारित शिक्षा के लिए पाठ्यक्रम तो शुरू हो गया, लेकिन लैब की सुविधा नहीं मिलने से विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। शासकीय शालाओं में नवाचार आधारित शिक्षा को लागू करने में राज्य शिक्षा केंद्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। आईसीटी लैब योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों को सूचना तकनीकी आधारित शिक्षा से जोड़ना, उनमें तकनीक के प्रति रुचि विकसित करना और उनके कौशल का विकास करना है। इसके लिए चयनित स्कूलों में कंप्यूटर और आईसीटी लैब से संबंधित आवश्यक सुविधाएं विकसित की जानी थीं। जानकारी के अनुसार जिले में वर्ष 2022-23 में कंप्यूटर आधारित शिक्षा से जोड़ने के लिए 195 शासकीय हाई और हायर सेकेंडरी स्कूलों का चयन किया गया था। योजना के तहत स्कूलों में कंप्यूटर उपलब्ध कराने के साथ आईसीटी लैब स्थापित करने के लिए आवश्यक अधोसंरचना विकसित की जानी थी। इसके बावजूद अब तक चयनित स्कूलों में से आधे से भी कम में लैब शुरू हो पाई हैं। आईसीटी लैब शुरू होने वाले स्कूलों में विद्यार्थियों को तकनीकी विषयों की पढ़ाई के साथ कंप्यूटर के व्यावहारिक उपयोग का अवसर मिल रहा है। दूसरी ओर जिन शालाओं में लैब स्थापित नहीं हो सकी है, वहां विद्यार्थियों को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित रहकर आईटी की जानकारी हासिल करनी पड़ रही है। इससे योजना के मूल उद्देश्य के अनुरूप विद्यार्थियों के कौशल विकास पर असर पड़ रहा है। डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई इस योजना की शुरूआत केंद्र सरकार ने वर्ष 2004 में की थी। इसके बाद वर्ष 2010 और 2018 में योजना में संशोधन किए गए तथा कई राज्यों को इससे जोड़ा गया। योजना के माध्यम से सरकारी स्कूलों में सूचना तकनीकी के उपयोग को बढ़ाने और विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा से जोड़ने पर जोर दिया गया। जिले में चयनित 195 शासकीय शालाओं में से अब तक 88 में आईसीटी लैब शुरू हो चुकी हैं, जबकि 108 स्कूलों में यह सुविधा उपलब्ध नहीं हो पाई है। इस स्थिति में योजना के क्रियान्वयन की गति पर सवाल उठ रहे हैं। विद्यार्थियों को डिजिटल और तकनीकी शिक्षा का व्यावहारिक लाभ दिलाने के लिए शेष शालाओं में भी आवश्यक अधोसंरचना उपलब्ध कराने की जरूरत बनी हुई है।

मदन महल स्टेशन पर बढ़ती ट्रेनों के बीच सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। मदन महल रेलवे स्टेशन का विकास जिस गति से हो रहा है, उसी अनुपात में यहां सुरक्षा व्यवस्था मजबूत नहीं हो पा रही है। कुछ वर्ष पहले तक स्टेशन पर रुकने या यहां से शुरू होने वाली ट्रेनों की संख्या सीमित थी, तब आरपीएफ आउट पोस्ट में पर्याप्त स्टाफ तैनात रहता था। अब ट्रेनों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, लेकिन इसके मुकाबले आरपीएफ कर्मचारियों की संख्या बेहद कम है। इसका असर स्टेशन के सकुर्लेटिंग एरिया की व्यवस्था पर पड़ रहा है और यात्रियों के साथ यहां काम करने वाले कर्मचारियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्टाफ की कमी का सीधा असर स्टेशन की पार्किंग और यातायात व्यवस्था पर दिखाई दे रहा है। प्लेटफॉर्म नंबर चार पर ट्रेन के पहुंचते ही सवारी ऑटो रिक्शा बड़ी संख्या में जमा हो जाते हैं। स्थिति यह हो जाती है कि सकुर्लेटिंग एरिया से कार या दोपहिया वाहन निकालना मुश्किल हो जाता है। कई बार यात्रियों को भी पैदल निकलने के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिलती। ट्रेन के आने के समय वाहनों की भीड़ बढ़ने से स्टेशन परिसर में अव्यवस्था की स्थिति बन जाती है। इसी तरह की स्थिति प्लेटफॉर्म नंबर एक की ओर भी रोजाना देखने को मिल रही है। अपने परिजनों को स्टेशन छोड़ने के लिए आने वाले वाहन चालक निर्धारित पार्किंग स्थल का उपयोग करने के बजाय स्टेशन की मुख्य इमारत के सामने सकुर्लेटिंग एरिया में ही वाहन खड़े कर देते हैं। वाहन खड़ा करने के बाद चालक और उनके साथ आए लोग प्लेटफॉर्म के भीतर चले जाते हैं। इससे मुख्य मार्ग और आने-जाने के रास्तों पर वाहनों का दबाव बढ़ जाता है। दोपहर तीन बजे से शाम छह बजे के बीच सकुर्लेटिंग एरिया में वाहनों की संख्या काफी बढ़ जाती है। इस दौरान जगह-जगह वाहन खड़े होने से स्टेशन के भीतर आवाजाही प्रभावित होती है। स्थिति का असर स्टेशन के कर्मचारियों पर भी पड़ रहा है। कर्मचारियों के लिए स्टैंड तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है। इसके अलावा आईओडब्ल्यू कार्यालय तक पहुंचने में भी उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्टेशन पर सुरक्षा और व्यवस्था संभालने के लिए आरपीएफ के सीमित स्टाफ पर ही निर्भरता बनी हुई है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार मदन महल स्टेशन में दिन की ड्यूटी के दौरान आरपीएफ के केवल तीन कर्मचारी रहते हैं, जबकि रात में यह संख्या घटकर दो रह जाती है। स्टेशन पर ट्रेनों की संख्या और यात्रियों की आवाजाही बढ़ने के बावजूद सुरक्षा बल की यह संख्या जरूरत के मुकाबले कम बताई जा रही है। स्टाफ की कमी के कारण सकुर्लेटिंग एरिया में वाहन खड़े करने और यातायात व्यवस्था को नियंत्रित करने के साथ ही स्टेशन की सुरक्षा पर भी पर्याप्त निगरानी रखना चुनौती बन रहा है। ट्रेनों के आने-जाने के समय अचानक बढ़ने वाली भीड़ में सीमित कर्मचारियों के लिए सभी स्थानों पर निगरानी रखना मुश्किल हो जाता है। इससे यात्रियों की परेशानी बढ़ने के साथ स्टेशन की समग्र व्यवस्था पर भी असर पड़ रहा है। मदन महल स्टेशन पर लगातार बढ़ती ट्रेन सेवाओं और यात्रियों की संख्या को देखते हुए आरपीएफ स्टाफ की उपलब्धता बढ़ाने की जरूरत महसूस की जा रही है। पर्याप्त कर्मचारियों की तैनाती होने से सकुर्लेटिंग एरिया में वाहनों की अव्यवस्थित पार्किंग पर नियंत्रण के साथ यात्रियों की आवाजाही भी सुचारु की जा सकती है। फिलहाल स्टाफ की कमी के बीच स्टेशन की बढ़ती गतिविधियों और सुरक्षा व्यवस्था के बीच संतुलन बनाना चुनौती बना हुआ है।

होटल कर्मचारी से मारपीट और मोबाइल-घड़ी छीनने का आरोप



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। मदन महल एलआईसी के पास स्थित बग्गा होटल के मालिक और कर्मचारियों पर एक कर्मचारी से मारपीट कर उसका मोबाइल फोन और हाथ की घड़ी छीनने का आरोप लगा है। रामपुर निवासी होटल कर्मचारी आकाश प्रजापति ने इस संबंध में एसपी कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। आकाश के अनुसार वह होटल में हाउसकीपिंग का काम करता था। उसके नाम पर होटल मालिक तरणदीप सिंह बग्गा ने एसी की फाइनेंसिंग कराई थी। एसी की 16 किस्तें जमा होने के बाद करीब 2,470 रुपये प्रतिमाह की आठ किस्तें शेष थीं। नौकरी से हटाए जाने के बाद फाइनेंस कंपनी की ओर से उस पर किस्त जमा करने के लिए लगातार दबाव बनाया जा रहा था। शिकायतकर्ता का कहना है कि इसी समस्या के संबंध में वह होटल पहुंचा था। उसका आरोप है कि होटल में बातचीत के दौरान सोनू बग्गा सहित अन्य लोगों ने उसे कमरे में ले जाकर मारपीट की। आकाश के मुताबिक उसे होटल के कमरा नंबर 314 में ले जाया गया, जहां उसके साथ मारपीट की गई। आकाश ने शिकायत में आरोप लगाया है कि मारपीट के बाद आरोपितों ने उसका मोबाइल फोन और हाथ की घड़ी भी छीन ली। इसके बाद उसे होटल से बाहर निकाल दिया गया। शिकायतकर्ता ने मामले में कार्रवाई की मांग करते हुए एसपी कार्यालय में अपनी शिकायत दी है। शिकायतकर्ता ने यह भी दावा किया है कि होटल के अन्य कर्मचारियों गोलू और दीपक को लेकर भी एसी फाइनेंस और किस्तों से संबंधित इसी तरह की शिकायतें सामने आ चुकी हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि शिकायत में लगाए गए आरोपों में कितनी सच्चाई है। एसपी कार्यालय में शिकायत पहुंचने के बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सूर्यकांत शर्मा ने मामले को गढ़ा थाना भेजे जाने की बात कही है। पुलिस अब होटल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच करेगी। फुटेज से घटना के समय होटल में मौजूद लोगों और शिकायतकर्ता के आने-जाने की स्थिति की जानकारी जुटाई जाएगी। पुलिस शिकायतकर्ता और होटल से जुड़े अन्य लोगों के बयान भी दर्ज करेगी। जांच के दौरान मारपीट, सामान छीने जाने और अन्य आरोपों से संबंधित साक्ष्य जुटाए जाएंगे। आरोपों की पुष्टि होने पर संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पेट्रोल भरवाकर बिना भुगतान किए कार चालक फरार

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। मनेरी स्थित अतुलित फिलिंग स्टेशन पर पेट्रोल भरवाने के बाद बिना भुगतान किए फरार होने का मामला सामने आया है। पेट्रोल पंप संचालक अखिलेश कुमार यादव ने मनेरी पुलिस चौकी में शिकायत दर्ज कराते हुए अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के अनुसार चालक 5,400 रुपये का पेट्रोल भरवाकर बिना भुगतान किए कार लेकर फरार हो गया। घटना 20 सितंबर की रात करीब 12:16 बजे की बताई गई है। शिकायत के अनुसार ग्रे रंग की मारुति अर्टिगा कार पेट्रोल पंप पर पहुंची थी। चालक ने कर्मचारी अभिषेक सिंह से वाहन की टंकी पूरी भरने के लिए कहा। कर्मचारी ने कार में कुल 5,400 रुपये का पेट्रोल भर दिया। पेट्रोल भरने के बाद चालक ने कार स्टार्ट की और भुगतान किए बिना तेज गति से मौके से फरार हो गया। रात का समय होने के कारण पेट्रोल पंप कर्मचारियों को वाहन का पंजीयन नंबर स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं दे सका। इसके चलते चालक की तत्काल पहचान नहीं हो सकी। पेट्रोल पंप संचालक के अनुसार परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कार का मॉडल, रंग और घटना के दौरान की पूरी गतिविधि रिकॉर्ड हुई है। संचालक ने पुलिस को शिकायत के साथ पेट्रोल का बिल, नकद रसीद की प्रति, सीसीटीवी फुटेज के चित्र और वीडियो भी उपलब्ध कराए हैं। संचालक ने पुलिस से सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मारुति अर्टिगा कार और उसके चालक की पहचान करने की मांग की है। पुलिस फुटेज की मदद से वाहन की पहचान और घटना के समय उसकी गतिविधियों की जानकारी जुटा सकती है। शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। पेट्रोल पंप संचालक का कहना है कि बिना भुगतान किए पेट्रोल लेकर जाने की इस घटना से पंप को 5,400 रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। उन्होंने ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए संबंधित वाहन चालक की पहचान कर उसके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई किए जाने की मांग की है।



मेडिकल कॉलेज के एनाटॉमी विभाग में सात फीट लंबा सांप मिला

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के एनाटॉमी विभाग में सुबह के समय करीब सात फीट लंबा सांप दिखाई देने से विद्यार्थियों में अफरा-तफरी मच गई। कक्षा में पढ़ाई के दौरान एक छात्र की नजर सांप पर पड़ी। उसने तत्काल इसकी जानकारी विभाग के प्रोफेसर डॉ. सुनील अग्रवाल को दी। सूचना मिलने पर सर्प मित्र ने मौके पर पहुंचकर सांप का सुरक्षित रेस्क्यू किया। सर्प मित्र गजेंद्र दुबे के मुताबिक सांप धामन प्रजाति का था। यह करीब सात फीट लंबा और शांत स्वभाव का होता है। इसे रैट स्नेक भी कहा जाता है। धामन विषैला सांप नहीं है और सामान्य तौर पर इंसानों के लिए खतरा नहीं होता। रेस्क्यू के बाद सांप को उसके प्राकृतिक आवास में सुरक्षित छोड़ दिया गया। मेडिकल कॉलेज परिसर में इन दिनों बारिश के कारण हरियाली बढ़ गई है। घनी झाड़ियों के चलते परिसर में जीव-जंतुओं की गतिविधियां भी बढ़ गई हैं। आसपास की पहाड़ियों से भी सांप और अन्य जीव-जंतु परिसर में पहुंच रहे हैं।

कलेक्टर सिंह के मुख्य आतिथ्य में 11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस संपन्न

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। शासकीय आयुर्वेद कॉलेज में आज "स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद" की विशेष थीम पर आधारित 11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस का मुख्य समारोह कलेक्टर श्री राघवेंद्र सिंह के मुख्य आतिथ्य में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान धन्वंतरि के पूजन के साथ हुआ, जिसके पश्चात मुख्य अतिथि ने आयुर्वेदिक चिकित्सीय पद्धतियों और स्वास्थ्यवर्धक व्यंजनों पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। समारोह में जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री संदीप जैन ने भी आयुर्वेद के महत्व पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर शोधकर्ताओं और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में आयुर्वेद को लेकर जनमानस में जागरूकता तेजी से बढ़ी है, लेकिन इसके साथ ही आयुर्वेदिक फार्मेसी की विश्वसनीयता बनाए रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर हर्बल के नाम से बिकने वाले उत्पादों का जिक्र करते हुए कहा कि आयुर्वेद की प्रामाणिकता और साख को अक्षुण्ण रखने के लिए प्रभावी कदम उठाने होंगे, जिससे इस पद्धति की पहुँच और विश्वसनीयता दोनों में और अधिक वृद्धि होगी। उन्होंने रेखांकित किया कि भारत के पास आयुर्वेद की एक समृद्ध विरासत है, जिसके माध्यम से गंभीर बीमारियों का सफल उपचार संभव है।

श्रीनाथद्वारा में किसलय को मिली गरिमामय हिन्दी काव्य विभूषण की मानद उपाधि

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। हिन्दी साहित्य प्रचार-प्रसार तथा हिन्दी को राष्ट्रभाषा के उच्चासन पर आसीन कराने हेतु प्रतिबद्ध श्रीनाथद्वारा, राजस्थान के सुप्रसिद्ध साहित्य मंडल का हिन्दी लाओ - देश बचाओ त्रिदिवसीय समारोह विगत दिनों सम्पन्न हुआ। लोकनृत्य, हिन्दी पर व्याख्यान, अखिल भारतीय कवि सम्मेलन व साहित्यकारों को विभिन्न सम्मानों से अलंकृत किया गया। सम्मान समारोह के गरिमामयी क्षणों में संस्कारधानी जबलपुर के आचार्य विजय तिवारी 'किसलय' को 'हिन्दी काव्य विभूषण' की मानद उपाधि से अलंकृत किया गया। पूरे देश से पधारे विभिन्न विधाओं में दक्ष और विख्यात साहित्यकारों को भी तिलक, शाल, श्रीफल, उत्तरीय, श्रीनाथ जी का चित्र, कण्ठहार, प्रसाद, मेवाड़ी पगड़ी तथा सम्माननिधि के साथ अलंकृत किया गया। कार्यक्रम संचालक द्वारा सम्मानितों का विस्तृत परिचय और काव्यमय प्रशस्तियाँ



भी पढ़ी गईं। विभिन्न कृतियों का लोकार्पण व साहित्य-मंडल पुस्तकालय हेतु साहित्यकारों ने अपनी अनेक कृतियाँ श्री श्याम प्रकाश देवपुरा जी को भेंट की। जबलपुर से आचार्य किसलय द्वारा अपनी चार काव्य कृतियाँ, स्व. भगवती प्रसाद देवपुरा पर केंद्रित गीत पराग पत्रिका तथा आचार्य भगवत दुबे पर केंद्रित अभिनंदन ग्रंथ भेंट किया गया। आयोजन के द्वितीय दिवस कार्यक्रम अतिथि के रूप में आचार्य किसलय ने



अपने उद्बोधन में साहित्य मंडल श्रीनाथद्वारा (राज.) के प्रधानमंत्री श्री श्याम प्रकाश देवपुरा द्वारा हिन्दी और हिन्दी साहित्य के प्रति किये जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए देश के साहित्यकारों का आह्वान किया कि वे उनके संकल्प को साकार करने में सहभागी बनें। आयोजन के तृतीय दिवस अखिल भारतीय कवि सम्मेलन के क्रम में किसलय के गीत 'आ शुरू कर दें अभी से, कुछ नहीं जग में कठिन' ने खूब वाहवाही बटोरी। समारोह में मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, दिल्ली, उड़ीसा, असम, झारखंड, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार और बंगाल के साहित्यकारों में पं. मदन मोहन शर्मा, डॉ. राहुल, भारत सातपुते, रवीन्द्र नाथ तिवारी, कैलाश बाजपेयी, संतोष तिवारी, गोपाल माहेश्वरी, डॉ. मनीषा गिरि, हरिश्चन्द्र शाक्य, निर्मल औदिच्य, ललित फरक्या मुकेश इंदौरी, प्रवीण पारखी आदि सैकड़ों प्रबुद्ध साहित्यकार उपस्थित रहे। इस उपलब्धि पर जबलपुर के आचार्य भगवत दुबे, राजेश पाठक प्रवीण, डॉ अभिजात कृष्ण त्रिपाठी, विजय नेमा अनुज, संतोष नेमा संतोष, यशोवर्धन पाठक, रमाकांत ताम्रकार, अरुण यादव सहित अन्य साहित्यकारों ने आचार्य किसलय को बधाईयाँ दी हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मुकेश कुमार श्रीवास द्वारा माँ रेवा पब्लिकेशन एन्ड प्रिंटर्स लष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे विवेकानंद वार्ड एम आर 4 रोड़ जबलपुर म.प्र. 482001 से मुद्रित तथा लष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे एम आर 4 रोड 21 स्वामी विवेकानंद वार्ड जबलपुर म.प्र. 482001 से प्रकाशित । संपादक: अतुल कुमार बंदेवार RNI. Reg. No MPHIN/2023/90965 (समस्त विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र जबलपुर) Email:- revanchaljabalpur@gmail.com मोब. 7509202320, 9406771592